सूर्योदय दि. 17-11-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com   Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in   Website | www.opensearch.co.in

मानुषी छिल्लर बोली पृथ्वीराज पर... पृष्ठ-8 पर

वर्ष : 06 अंक : 228 | नई दिल्ली, बुधवार 17 नवम्बर-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

यूपी में आधुनिक होती सुविधाओं का प्रतिबिंब है पूर्वांचल एक्सप्रेस वे : मोदी

करीब 22 हजार करोड़ की लागत से तैयार 341 किमी लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का प्रधानमंत्री मोदी ने किया उदघाटन

ओपन सर्च.ब्यूरो

सुलतानपुर। पिछली सरकारों पर पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास की उपेक्षा का आरोप लगाते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस वे उत्तर प्रदेश में आधुनिक होती सुविधाओं का प्रतिबिंब है। करीब 22 हजार करोड़ की लागत से तैयार 341 किमी लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का उदघाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुये मोदी ने कहा कि तीन साल पहले जहां केवल जमीन थी, वहां आज इतना आधुनिक एक्सप्रेस वे गुजर रहा है।

यह यूपी के विकास का एक्सप्रेस वे है। नये यूपी के निर्माण का एक्सप्रेस वे है। यूपी की मजबूत होती अर्थ व्यवस्था का एक्सप्रेस वे है। यूपी की शान का प्रमाण है। इसका लोकार्पण करते हुये वह खुद को धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होने कहा कि देश के संपूर्ण विकास के लिये क्षेत्रों का संतुलित विकास भी बहुत जरूरी है। कुछ क्षेत्र आगे चले जाये और कुछ दशकों तक पीछे चले जाये। यह असमानता ठीक नहीं है। विकास की

संभावना होने के बावजूद नार्थ ईस्ट को उतना लाभ नहीं मिला। यूपी का सर्वांगीण विकास पर भी पिछली सरकारों ने ध्यान नहीं दिया। प्रदेश को माफियावाद और गरीबी के हवाले कर दिया गया था। खुशी है कि आज यही क्षेत्र विकास का नया अध्याय लिख रहा है। ऊर्जावान कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उनकी टीम और उत्तर प्रदेश के लोगो पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के लिये बधाई के पात्र हैं। मोदी ने कहा कि जिन किसान बहनो की भूमि इसमे लगी है जिन श्रमिकों का पसीना इसमें लगा है। जिन इंजीनियरों का कौशन लगा है । उनका भी अभिनंदन। जितनी जरूरी देश की समृद्धि उतनी ही जरूरी देश की सुरक्षा भी है। आपात काल की स्थिति में वायुसेना की ताकत बन गया है एक्सप्रेस वे। यहां उतरने वाले हमारे फाइटर प्लेन की गर्जना उन लोगों के लिये एक जवाब होंगे जिन्होने डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्रर को नजरअंदाज किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश की उपजाऊ भूमि और यहां के लोगों का परिश्रम एवं कौशल अभूतपूर्व है। वह ऐसा किताबी ज्ञान के नाते नहीं कह रहे है बल्कि यहां का सांसद के नाते जो रिश्ता नाता बना है उस पर बोल रहे हैं। इतने बडे क्षेत्र को गंगा और अन्य नदियों का आशीर्वाद मिला है। सात आठ साल पहले यहां के जो हालात थे, उनको देखकर हैरानी होती थी। महसूस होता था कि यूपी को कुछ लोग इस क्षेत्र को किस बात की सजा दे रहे हैं। 2014 में हालांकि यहां के लोगों ने देश की सेवा का अवसर दिया जिसके बाद यूपी के विकास को लेकर प्रधान सेवक के नाते बारीकियों में जाना शुरू किया। गरीबों को पक्के घर मिले। शौचालय मिले ताकि घर की महिलाओं को बाहर न जाना पडे। ऐसे कितने ही काम यहां किये जाने जरूरी थे। उन्होने कहा कि बहुत पीड़ा थी कि तब जो सरकार थी। उसने मेरा साथ नहीं दिया बल्कि उन्हे सार्वजनिक रूप से खडे होने में डर लगता था। मै एमपी के रूप में आता था तो स्वागत करने में भी उन्हे शर्म आती थी क्योंकि काम का हिसाब देने के लिये कुछ था ही नही। योगी से पहले सरकारों ने यूपी के साथ नाइंसाफी की। अपने परिवार का ही हित साधा। ऐसा करने वालों को यूपी के लोग हमेशा हमेशा के लिये विकास के रास्ते से हटा देंगे और 2017 में आपने तो यह करके दिखाया है। प्रचंड बहुमत देकर सेवा का मौका दिया। आज यूपी में हो रहे विकास कार्यो को देखकर कह सकते है कि यूपी में तेज गति से बदलाव हो रहा है। मोदी ने कहा कौन भूल सकता है कि पहले यूपी में कितनी बिजली कटौती होती थी। यूपी में कानून व्यवस्था की क्या हालत थी। मेडिकल सुविधाओं की क्या स्थिति थी। यूपी में हालात ऐसे बना दिये गये थे। यूपी में राह नहीं बल्कि राहजनी होती थी। अब राहजनी करने वाले जेल में है। गांव गांव नयी राह बन रही है। नयी सडके बन रही है। बीते साढे चार वर्षो में यूपी पूरब हो या पश्चिम ,नयी सडकों से जोडा गया है हजारों कितनी नयी सडके बनायी गयी है।

सम्पादक की कलम से

बढ़ते प्रदूषण को थामने के लिए समय रहते कदम उठाइए, अन्यथा बढ़ेंगी मुश्किलें

विजय कुमार

देश में बढ़ते प्रदूषण पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का चिंतित होना स्वाभाविक है। खासकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की खराब होती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने जो महत्वपूर्ण आपातकालीन बैठक की है, उससे आमलोगों में इस बात का संदेश गया है कि सरकार उनकी सामूहिक चिंताओं से वाकिफ है और समय रहते ही पर्याप्त कदम उठा रही है। दरअसल, एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की खराब होती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर गत दिनों जो एक आपातकालीन बैठक बुलाई थी, उसमें जीआरएपी के लिए उप-समिति की 8वीं बैठक के बाद गत 13 नवंबर, 2021 को जारी आदेश से अलग, दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न वायु प्रदूषण निवारक उपायों और इसे कम करने के कदमों पर बात हुई, जिसे विभिन्न एजेंसियों द्वारा उठाए जाने की आवश्यकता है। जीआरएपी आदेश में राज्यों और संबंधित एजेंसियों को क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के तहत सूचीबद्ध 'आपातकालीन उपायों' को लागू करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने की सलाह दी गई है।

कहना न होगा कि धान की पराली जलाने, वाहनों से होने वाले प्रदूषण, दिवाली के बाद का प्रदूषण, तापमान में गिरावट और अन्य स्थानीय कारकों के संयुक्त परिणाम के चलते दिल्ली-एनसीआर की हवा इतनी खराब हुई। यह थार रेगिस्तान की दक्षिण-पश्चिम दिशा से आने वाली धूल भरी आंधी से भी काफी प्रभावित हुई, जो भारी मात्रा में धूल लेकर आई थी और पीएम2.5 व पीएम 10 के स्तर को काफी बढ़ा दिया। वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के सभी विभिन्न पहलुओं पर विचार करते हुए, आयोग ने बैठक में दोहराया कि उप-समिति के आदेशों में सुझाए गए कदमों को राज्यों द्वारा सख्ती से लागू किया जाएगा। यदि ऐसा नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब दिल्ली गैस चेम्बर बन जाएगी। आयोग ने दिल्ली-एनसीआर की मौजूदा प्रतिकूल वायु गुणवत्ता में योगदान देने वाले 5 अलग-अलग क्षेत्रों की भी पहचान की है, जिन पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और जीएनसीटीडी की राज्य सरकारों की संबंधित एजेंसियों द्वारा तीव्र प्रयासों के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है। ये क्षेत्र हैं- धान की पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण; निर्माण और तोड़फोड़ (सी एंड डी) गतिविधियों से धूल पर नियंत्रण; सड़कों और खुले क्षेत्रों से धूल नियंत्रण; वाहन प्रदूषण और औद्योगिक प्रदूषण। इसे कम करने और नियंत्रित करने के उपाय शीघ्र करने होंगे, अन्यथा पॉल्युशन लॉक डाउन की नौबत आ जायेगी। बता दें कि वायु प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई में सीएक्यूएम ने सभी रोक हटा ली है। आयोग समय-समय पर इस क्षेत्र की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न नीतिगत पहलों और कदमों की सलाह देता रहा है। 43 निर्देशों और 7 एडवाइडरी जारी करने से लेकर राज्य सरकारों के संबंधित विभागों और एनसीआर की अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ नियमित बैठकों तक, सीएक्यूएम वायु प्रदूषण को कम करने के लिए संबंधित राज्यों के प्रयासों का पूरी सक्रियता से जायजा ले रहा है।

सीएक्यूएम का यह मानना सही है कि राज्य सरकारों और संबंधित एजेंसियों में शीर्ष स्तर पर प्रबंधन द्वारा नियमित समीक्षा किए जाने की अत्यधिक जरूरत है, जिससे दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में सुधार की दिशा में जमीनी स्तर पर शुरू किए गए प्रयासों के प्रत्यक्ष असर से अच्छी तरह अवगत हो सकें। साथ ही, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश (यूपी) की राज्य सरकारों से अपनी राय देने की बात करते हुए, आयोग ने संबंधित विभागों को 13 नवंबर, 2021 के अपने आदेश के तहत जीएनसीटीडी द्वारा लागू किए गए प्रतिबंधों/नियमों को अपने संबंधित एनसीआर जिलों में भी अपनाने की सलाह दी। इसमें अन्य उपायों के साथ-साथ 20 नवंबर, 2021 तक स्कूलों को बंद करना और 14 से 17 नवंबर तक सी एंड डी गतिविधियों को बंद करना शामिल है। यही नहीं, आवश्यकता पड़ने पर इसे बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि सुरसा की मुख की भांति निरन्तर अपना आकार बढ़ा रहा प्रदूषण थमे। इसके अलावा, एनसीआर राज्यों में राज्य सरकारों और जिला प्रशासन को भी वाजिब सुझाव दिया गया है कि वे जीआरएपी कार्य योजना के विभिन्न चरणों, श्रेणियों के दौरान उठाए जाने वाले कदमों के मद्देनजर जनता के लिए 'नागरिक चार्टर या सलाह' जारी करें। आयोग ने विभिन्न क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता और ठोस उपायों की जरूरत को दोहराया, जो वायु गुणवत्ता को तुरंत और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करते हैं। यदि इन बातों पर अमल किया जाएगा तो प्रदूषण पर लगाम लगना तय है।

E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

एक नज़र

पूर्वी उप्र के विकास की नयी जीवन रेखा बनेगा पूर्वांचल एक्सप्रेस वे : योगी

सुल्तानपुर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पूर्वांचल एक्सप्रेस वे सिर्फ आवागमन का माध्यम ही नहीं बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिये जीवन रेखा बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मंगलवार को सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के उद्घाटन किये जाने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये योगी ने कहा कि यह राजपथ आने वाले समय में विकास की एक नई जीवन रेखा के रूप में स्थापित होने वाला होगा। मुख्यमंत्री योगी ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा, एक तरफ आज पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन हो रहा है, वहीं दूसरी ओर बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का कार्य में भी तेजी चल रहा है। इसके साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूर्वी उत्तर प्रदेश से जोड़ने के लिए गंगा एक्सप्रेस वे का काम भी तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले ये सभी एक्सप्रेस वे बनाने का मकसद समूचे उत्तर प्रदेश को देश के सभी अहम इलाकों से जोड़कर राज्य में विकास के प्रवाह को तेज करना है।

श्रीनगर मुठभेड़ में एक आतंकवादी समेत चार लोग मारे गये

श्रीनगर (एजेंसी) केंद्र शासित प्रदेश जम्मू -कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के हैदरपोरा इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक विदेशी आतंकवादी और स्थानीय सहयोगी समेत एक सक्रिय मददगार तथा आतंकवादियों के ठिकाने के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली इमारत के मालिक मारे गये हैं। पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर रेंज) विजय कुमार ने मंगलवार को यहां पुलिस नियंत्रण कक्ष में प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार की शाम हैदरपोरा में राष्ट्रीय राजमार्ग के पास आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सेना , केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और पुलिस ने तलाश और घेराबंदी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बल के जवान जब लक्षित स्थान की ओर बढ़ रहे थे , तभी वहां छिपे आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायी। दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकवादी हैदर और उसके सहयोगी तथा दो अन्य लोग मारे गये।

ठाकुर ने पत्रकारों और मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को दी राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर शुभकामनाएं

नई दिल्ली.ओपन सर्च

सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों और मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए आह्वान

किया है कि पत्रकार भ्रामक खबरों और झूठी सूचनाओं से पैदा होने वाले खतरों को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करें।

श्री ठाकुर ने मंगलवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मौके पर यहाँ एक संदेश जारी करते हुए कहा कि सरकार ने अपनी ओर से पत्र सूचना कार्यालय में समाचारों की सच्चाई परखने से संबंधित एक विभाग की स्थापना की है जिसने काफी लोकप्रियता हासिल की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस भारत के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने में मीडिया और प्रेस की भूमिका को प्रतिबिंबित करने का दिन है। श्री ठाकुर ने कहा कि मीडिया एक प्रहरी है और यह एक जीवंत लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने नागरिक केंद्रित संचार पर ध्यान दिया है। चाहे टीवी समाचार, रेडियो, सोशल मीडिया या ऑनलाइन डिजिटल मीडिया हो, सरकार आम जनता की आम भाषा में सूचनाएं प्रदान कर रही है।

सूचना प्रसारण मंत्री ने मीडिया समुदाय से अपील करते हुए कहा, हम भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष को चिह्नित कर , अगले 25 वर्षों की ओर देख रहे हैं। आइए हम प्रत्येक भारतीय के सपनों को साकार करने में भागीदार के रूप में मिलकर काम करें।

चीन को मिलेगा कड़ा जवाब, भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल होगी मिसाइल डिस्ट्रायर और सबमरीन

नई दिल्ली (एजेंसी)

हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के मद्देनजर तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य से निपटने और क्षमता में वृद्धि के लिए अगले हफ्ते एक गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रायर पोत विशाखापत्तनम और कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी वेला को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। इस संबंध में नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल सतीश नामदेव घोरमडे ने कहा कि युद्धपोत विशाखापत्तनम को 21 नवंबर को बल में शामिल किया जाएगा, जबकि पनडुब्बी वेला को 25 नवंबर को शामिल किया जाएगा। भारतीय नौसेना को सबसे बड़ा डिस्ट्रायर मिलेगा जो स्वदेश में तैयार किया गया है। इसे नौसेना ने ही डिजाइन किया है और मझगांव डाकयार्ड में बनाया गया है। विशाखापट्टनम प्रोजेक्ट 15बी का पहला युद्धपोत है। इस प्रोजेक्ट के तहत कुल चार स्वदेशी युद्धपोत बनने हैं। भारतीय नौसेना को इस क्लास

का दूसरा युद्धपोत अगले साल, तीसरा 2024 और चौथा युद्धपोत 2025 में मिलेगा। इससे भारतीय नौसेना की मारक क्षमता काफी बढ़ जाएगी। युद्धपोत विशाखापत्तनम को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा शामिल किया जाएगा जबकि वेला को शामिल करने के समारोह में मुख्य अतिथि नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह होंगे। वेला कलवरी श्रेणी की चौथी पनडुब्बी है। ये दोनों मझगांव डाक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में बनाए गए हैं। इन्हें बल में शामिल करने के कार्यक्रम मुंबई के नौसेना डाकयार्ड में होंगे। नौसेना कमांडर ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न भारतीय पोत कारखानों (शिपयार्ड) में 39 नौसैनिक जहाजों और पनडुब्बियों का निर्माण किया जा रहा है, जिनसे भारत की समुद्री क्षमता को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि समुद्री वातावरण जटिल होता है। इसकी सुरक्षा केवल अधिक संख्या में अत्याधुनिक उपकरणों को बढ़ाने से बेहतर होती है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे समय में रह रहे हैं, जब शक्ति का वैश्विक और क्षेत्रीय संतुलन तेजी से बदल रहा है।

सबसे तेजी से बदलाव का क्षेत्र निस्संदेह हिंद महासागर क्षेत्र है। वाइस एडमिरल घोरमडे ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं कि उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय नौसेना की मारक क्षमता लगातार बढ़ती रहे। वाइस एडमिरल ने कहा, विशाखापत्तनम के शामिल होने से भारत के उन्नत युद्धपोतों के डिजाइन और निर्माण की क्षमता वाले राष्ट्रों के विशिष्ट समूह में शामिल होने की पुष्टि हो जाएगी।

प्रकाश पर्व से पहले करतारपुर गलियारा खोलने का फैसला

करतारपुर साहिब गलियारे से तीर्थयात्रा की सुविधा मौजूदा प्रक्रियाओं और कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार दी जाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)

केन्द्र सरकार ने कोविड महामारी के संक्रमण में कमी को देखते हुए गुरुनानक देव जी के 552 वें प्रकाश उत्सव के पहले पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा करतारपुर साहिब जाने के लिए बनाये गये गलियारे को कल यानी बुधवार से खोलने का निर्णय लिया है। कोविड महामारी के चलते यह गलियार 16 मार्च 2020 को बंद कर दिया गया था।

श्री करतारपुर साहिब गलियारे से तीर्थयात्रा की सुविधा मौजूदा प्रक्रियाओं और कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार दी जाएगी। गलियार को खोलने के सरकार के निर्णय की जानकारी खुद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को ट्वीट कर दी। उन्होंने कहा कि सीख तीर्थयात्रियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने करतारपुर गलियारे को 17 नवंबर से फिर से खोलने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय दर्शाता है कि

कोविड महामारी के चलते यह गलियार 16 मार्च 2020 को बंद कर दिया गया था। श्री करतारपुर साहिब गलियारे से तीर्थयात्रा की सुविधा मौजूदा प्रक्रियाओं और कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार दी जाएगी।

सीख तीर्थयात्रियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने करतारपुर गलियारे को 17 नवंबर से फिर से खोलने का निर्णय लिया है।

मोदी सरकार गुरुनानक देव जी में असीम श्रद्धा एवं सिख समुदाय से अपार स्नेह रखती है। इस निर्णय से बड़ी संख्या में सिख तीर्थयात्रियों को फायदा होगा। गुरु परब के मौके पर सिख समुदायों की ओर से करतारपुर कॉरीडोर पुन : खोलने की मांग की जा रही थी। भारतीय जनता पार्टी की पंजाब इकाई के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करके करतारपुर कॉरीडोर खोलने की मांग की थी। श्री शाह ने कॉरिडोर का पुनः संचालन शुरू करने के काम में गति लाने के लिए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कीं थी। इससे पहले भी सरकार ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि गुरु नानक देव की जयंती के मौके पर करीब 1500 सिख तीर्थयात्रियों के एक जत्थे को 17 से 26 नवंबर के बीच पाकिस्तान भेजने का फैसला किया गया है। यह जत्था पाकिस्तान स्थित छह पवित्र गुरुद्वारों - दरबार साहिब, श्रीपंजा साहिब, देहरा साहिब, श्रीननकाना साहिब, श्री करतारपुर साहिब और गुरुद्वारा श्री सच्चा सौदा की यात्रा करेगा। पाकिस्तान ने भी कुछ दिन पहले करतारपुर गलियारा खोलने की पेशकश की थी। हालांकि पाकिस्तान सरकार ने भारत सरकार के अनुरोध पर इस साल जून में दो मौकों -गुरु अर्जन देव जी के बलिदान दिवस और महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि के मौके पर सिख श्रद्धालुओं को तीर्थयात्रा की अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। ये यात्राएं 1974 के द्विपक्षीय प्रोटोकॉल के तहत होनी थी। उल्लेखनीय है कि भारत ने जीरो प्वाइंट,अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर डेरा बाबा नानक में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर के संचालन के तौर-तरीकों पर पाकिस्तान के साथ 24 अक्तूबर 2019 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

रवांडा के राष्ट्रपति ने राष्ट्रमंडल बैठक में मोदी को किया आमंत्रित

किगाली, नई दिल्ली (एजेंसी)

रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागमे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2022 में देश में आयोजित होने वाले अगले राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक (सीएचओजीएम) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। राष्ट्रपति कागमे ने किगाली में विदेश राज्य

मंत्री वी मुरलीधरन के साथ हुई मुलाकात के दौरान यह निमंत्रण दिया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन के साथ बैठक के दौरान राष्ट्रपति कागामे ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की और भारत और रवांडा के बीच रणनीतिक साझेदारी के बारे में बात की और उन्होंने भारत के साथ गहरी मित्रता को ध्यान में रखते हुए काम करने की इच्छा व्यक्त की। श्री मुरलीधरन ने राष्ट्रपति कागमे को भारत-रवांडा संयुक्त आयोग की पहली बैठक में हुए विचार-विमर्श के बारे में जानकारी दी।

एक नज़र

नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन ऑफ इंडिया के फेलो के रूप में सम्मानित हुए डॉ अर्जुन खन्ना

नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन द्वारा भारत में विभिन्न संस्थानों में बड़ी संख्या में पल्मोनोलॉजिस्ट को किया जाता है प्रशिक्षित

ओपन सर्च.संवाददाता

गाजियाबाद। डॉ अर्जुन खन्ना, सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, यशोदा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी, गाजियाबाद को नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन ऑफ इंडिया के फेलो के रूप में सम्मानित किया गया है। डॉ खन्ना देश के अन्य प्रसिद्ध पल्मोनोलॉजिस्टों में से एक हैं, जैसे प्रो0 डॉ रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स। बता दें कि नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन की स्थापना 1959 में भारत में चेस्ट फिजिशियन के पहले संघ के रूप में हुई थी। इन वर्षों में, पल्मोनरी मेडिसिन ने न केवल जबरदस्त प्रगति की है, बल्कि भारत में एक बहुत ही महत्वपूर्ण सुपर स्पेशियलिटी का रूप में भी स्थापित हुई है। नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन द्वारा भारत में विभिन्न संस्थानों में बड़ी संख्या में पल्मोनोलॉजिस्ट को प्रशिक्षित किया जाता है। डॉ. अर्जुन खन्ना देश के कुछ डीएम पल्मोनोलॉजिस्ट में से एक हैं। उनकी रुचि के क्षेत्रों में इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी, पल्मोनरी क्रिटिकल केयर, स्लीप मेडिसिन, संक्रामक रोग और इंटरस्टीशियल लंग डिजीज शामिल हैं। उन्होंने एम्स नई दिल्ली में आंतरिक चिकित्सा में सहायक प्रोफेसर के रूप में काम भी किया है। पल्मोनोलॉजी के क्षेत्र में उनकी रुचि के क्षेत्रों में ब्रोन्कियल अस्थमा और सीओपीडी, इंटरस्टीशियल लंग डिजीज, स्लीप मेडिसिन, थोरैकोस्कोपी, ईबीयूएस टीबीएनए, ब्रोंकोस्कोपी, लंग कैंसर का इलाज शामिल हैं। डॉ अर्जुन खन्ना ने 2011 में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ से एमडी (मेडिसिन) और 2014 में सफदरजंग अस्पताल से डी0 एम0 (फुफ्फुसीय और क्रिटिकल केयर मेडिसिन) पूरा किया है और एलर्जी, अस्थमा, ब्रोंकोस्कोपी, एम्फिसीमा, इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी, पल्मोनरी फंक्शन में उनकी विशेषज्ञता है।

पर्चा दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ने से रोचक हुआ आइएमए का चुनाव

गोरखपुर (एजेंसी) इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) का चुनाव 21 नवंबर को होना तय है। अध्यक्ष पद पर चार दावेदारों के सामने आने के बाद चुनाव रोचक हो गया है। साथ ही पर्चा दाखिला की अंतिम तिथि 17 नवंबर कर दी गई है, इसलिए अध्यक्ष पद के साथ ही निर्विरोध हो चुके पदों पर कुछ और पर्चे दाखिल होने की संभावना बढ़ गई है। वोट संभालने को लेकर प्रत्याशियों ने प्रयास तेज कर दिया है।

लोग अपने संबंधों, सहपाठियों, अपनी विधा के डाक्टरों से संपर्क स्थापित कर अधिक से अधिक वोट हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। बैठकों का दौर भी शुरू हो चुका है। सदस्य भी चुनावी मोड में आ चुके हैं। जहां दो सदस्य मिल रहे, केवल चुनाव की चर्चा हो रही है। अभी तक केवल अध्यक्ष पद ही चुनाव होना है। अन्य पदों पर लोगों का निर्विरोध चुना जाना लगभग तय हो गया है। हालांकि अभी पर्चा दाखिल करने के लिए दो दिन का समय शेष है, इसलिए निर्विरोध हो चुके लोग भी संशय में हैं।

अध्यक्ष पद के लिए शाही ग्लोबल हास्पिटल के निदेशक डा. शिवशंकर शाही, वर्तमान अध्यक्ष डा. मंगलेश श्रीवास्तव, डा. आरए अग्रवाल और डा. वीरेंद्र गुप्ता आमने-सामने हैं। चुनाव की तिथि को लेकर भी सदस्यों के दो मत हैं। चूंकि 21 नवंबर को लग्न बहुत तेज है, इसलिए कुछ सदस्य चाह रहे कि तिथि बदल दी जाए। इसके पूर्व भी एक बाद चुनाव की तिथि बदली जा चुकी है। इसलिए कुछ सदस्य निर्धारित तिथि पर ही चुनाव कराने पर सहमत हैं।

हरदोई में कार ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर, दो होमगार्ड की मौके पर ही मौत

हरदोई (एजेंसी) हादसे में बाइक सवार दो होमगार्ड की जान चली गई। दोनों कोतवाली मल्लावां से ड्यूटी कर घर वापस जा रहे थे। कटरा-बिल्हौर हाईवे पर सामने से कार ने बाइक में टक्कर मार दी और चालक कार छोड़कर भागने में सफल रहा। तुलसीराम माधौगंज के भैनामऊ के निवासी हैं, जबकि अवधेश कुमार गौतरा के रहने वाले हैं।

नवंबर में दोनों की ड्यूटी कोतवाली मल्लावां में लगी लगाई गई थी। मिली जानकारी के मुताबिक, तुलसीराम और अवधेश कुमार रोज की तरह रविवार रात ड्यूटी कर बाइक से घर जा रहे थे। इसी बीच कटरा-बिल्हौर हाइवे पर खेमीपुर में इंटर कालेज के निकट सामने से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें होमगार्ड तुलसीराम व अवधेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक कार छोड़कर भागने में सफल रहा। पुलिस ने कार व शवों को कब्जे में ले लिया है। परिवारवाले भी मौके पर पहुंच गए हैं।

सावधान! इंटरनेट मीडिया पर युवती से की दोस्ती, फिर विदेश से गिफ्ट भेजने के नाम पर लाखों की ठगी

लखनऊ (एजेंसी) एक जालसाज ने खुद को अमेरिका की एक नामचीन कंपनी का अधिकारी बताया। उसने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से लखनऊ में रहने वाली एक युवती से दोस्ती की। उसके बाद उसे कीमती गिफ्ट भेजने का प्रलोभन दिया और करीब तीन लाख रुपये ठग लिए। आरोपित ने शादी डाटकाम से युवती की प्रोफाइल देखकर उससे संपर्क किया था। इंदिरानगर में रहने वाली एक युवती ने बीते कुछ माह पूर्व शादी डाटकाम पर अपनी प्रोफाइल भेजकर रजिस्ट्रेशन कराया था।

युवती की प्रोफाइल देखकर बीते दिनों हरीश पाटिल नाम के युवक संपर्क किया और इंटरनेट मीडिया पर बाचतीच शुरू कर दी। युवक ने खुद को अमेरिका की एक नामचीन कंपनी का अधिकारी बताया और दोस्ती गांठ ली। उसने युवती को अमेरिका से एक महंगा गिफ्ट भेजने का प्रलोभन दिया। युवती मना करती रही पर वह नहीं माना। गिरोह में एक महिला भी शामिल, मुंबई एयरपोर्ट की अधिकारी बताकर किया था फोनः जालसाजी में हरीश पाटिल के साथ एक महिला भी शामिल है।

चाचा से झगड़ा हुआ, तीन घंटे में असलहा का जुगाड़ किया और मार दी गोली

गोरखपुर (एजेंसी) झंगहा के अमारी में पेड़ काटने के विवाद में गांव के रमेश ने अपने चाचा रामबचन यादव को गोली मार दी थी। जांच के दौरान पता चला है कि आरोपित ने विवाद के तीन घंटे के भीतर ही असलहा खरीदा था और उससे अपने चाचा को गोली मारी थी। असलहे का सप्लायर कौन है, इसका जवाब बीट पुलिस अधिकारी (बीपीओ) के पास नहीं है। एसएसपी ने इस मामले को गंभीरता से लिया और उन्होंने बीपीओ प्रवीण कुमार की फाइल खोल दी है।

इसके बाद बीपीओ को लाइन हाजिर कर दिया गया। अवैध असलहे को लेकर जोन भर में आपरेशन तमंचा का अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को झंगहा के अमारी में इस अभियान की हवा निकाल दी गई। इसका पर्दाफाश सीओ की जांच से हुआ है। आपरेशन तमंचा के तहत अमारी में गोली चलाने के मामले की जांच सीओ चौरी चौरा अखिलानंद उपाध्याय को सौंपी गई थी। सीओ ने मामले की जांच की तो पता चला कि रमेश व उसके चाचा से पेड़ काटने को लेकर तीन घंटे पहले विवाद हुआ था। इस दौरान रमेश ने कहीं से अवैध असलहा खरीदकर अपने चाचा को गोली मार दी। असलहों का सप्लायर कौन है, इसका पता नहीं चल सका। बीपीओ ने इस पर ध्यान ही नहीं दिया।

लोक जनशक्ति पार्टी भी उत्तर प्रदेश में लड़ेगी विधानसभा चुनाव, राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बरेली में किया एलान

पार्टी संगठन को प्रदेश के हर जिले में पिछले कुछ समय में मजबूती मिली है। मंगलवार को बरेली पहुंचे लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान ने रामपुर बाग में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नीरज मिश्रा के आवास पर मीडिया से वार्ता के दौरान यह बात कही।

बरेली (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी भी भागीदारी करेगी। पार्टी संगठन को प्रदेश के हर जिले में पिछले कुछ समय में मजबूती मिली है। मंगलवार को बरेली पहुंचे लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान ने रामपुर बाग में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नीरज मिश्रा के आवास पर मीडिया से वार्ता के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि पार्टी पहले भी प्रदेश में विधानसभा चुनाव न सिर्फ लड़ चुकी है, बल्कि विधानसभा में अपनी उपस्थिति भी दर्ज करा चुकी है। इसके बाद गठबंधन की राजनीति में हमारी पार्टी कुछ चुनाव नहीं लड़ पाई, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने का निर्णय पार्टी की राज्य इकाई ने लिया है।

यानी हम अपने प्रत्याशी उतारेंगे। हम अकेले चुनाव लड़ेंगे या किसी क्षेत्रीय दल के साथ मिलकर इस का फैसला राज्य इकाई के अनुमोदन के जरिए केंद्रीय संगठन करेगा। हालांकि तय है कि इस बार चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन हर बार से बेहतर होगा। प्रदेश को किस तरह विकास की राह पर और मजबूती से ले जाएं, युवाओं को रोजगार दें, इसके लिए विजन डाक्यूमेंट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा शिक्षा व रोजगार के लिए दूसरे राज्य में जाते हैं तो कई बार उन्हें अपमान का सामना करना पड़ता है। ऐसे में देश के बेहद महत्वपूर्ण प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है। उन्होंने प्रदेश में सत्तारूढ़ रहीं पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि अपनी-अपनी गलतियों पर पर्दा डालने के लिए किसी पार्टी को राम तो किसी को जिन्ना सूट करते हैं। सलमान खुर्शीद की किताब को लेकर हुए विवाद पर चिराग पासवान ने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत सोच हो सकती है, इस पर प्रतिक्रिया की जरूरत नहीं। गठबंधन होगा तो किसके साथ अभी तय नहीं = किस पार्टी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ेंगे, इस सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि सभी पार्टी की विचारधारा कुछ न कुछ अलग होती है।

लोक जनशक्ति पार्टी के अपने मुद्दे हैं, चाहे दलितों को लेकर हों, अल्पसंख्यक या फिर समाज के गरीब वर्ग के लिए। पार्टी के नेता दिवंगत राम विलास पासवान ने समाज के पिछड़े वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए पांच दशक तक संघर्ष किया। प्रदेश में अभी तय नहीं है कि चुनाव अकेले लड़ेंगे या किसी के साथ गठबंधन होगा। योगी सरकार में बेहतर काम हुआ, हालांकि गुंजाइश बाकी = केंद्र या राज्य सरकार के वर्तमान कामकाज पर चिराग पासवान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे बेहतर बताया। हालांकि उन्होंने कहा कि इसमें और बेहतर होने की गुंजाइश थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिस तरह का जनादेश मिला है, उसमें कई काम हुए हैं। लेकिन युवाओं को अपने ही प्रदेश, जिले या गांव में रोजगार कैसे मिले, इस पर बाकी है। जनता इस पर फैसला लेगी कि कामकाज कैसा हुआ। प्रदर्शनकारी किसानों से दोबारा बातचीत की जरूरत : पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के लिए उन्होंने सभी को बधाई दी।

हालांकि इसके राजनीतिकरण और निर्माण का क्रेडिट लेने की होड़ पर उन्होंने आपत्ति जताई। संसद का सत्र फिर शुरू होने वाला है, ऐसे में पिछला रिकार्ड देखते हुए उन्होंने फिर हंगामे की भेंट चढ़ने की आशंका जताई। किसानों के लिए कानून पर चिराग पासवान ने दोबारा अन्नदाता से बातचीत की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही कहा कि सरकारों का मूल्यांकन पिछले वादों, रोजगार, विकास व स्वास्थ्य के आधार पर होना चाहिए।

अखिलेश यादव ने बढ़ाया हौसला, सपा कार्यकर्ताओं ने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का किया सांकेतिक उद्घाटन

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के मेगा प्रोजेक्ट पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को अपना काम बताने वाले पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को इसके उद्घाटन की तैयारी अपने तरीके से कर ली। पार्टी के अध्यक्ष के हौसला बढ़ाने से उत्साहित पूर्व विधायक के साथ कुछ कार्यकर्ता साइकिल लेकर पूर्वांचल एक्सप्रेस पर आजमगढ़ पहुंचे और सांकेतिक उद्घाटन भी की दिया। इसके बाद अखिलेश यादव ने इसको लेकर एक ट्वीट भी किया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को अपने तरीके से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने की तैयारी की और पार्टी के उत्साही कार्यकर्ताओं ने इसको अंजाम भी दे दिया।

इसको लेकर उनके साथ ही उनकी पार्टी ने भी ट्वीट किया है। अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी बहुरंगी पुष्पवर्षा से पूर्वांचल एकसप्रेस वे का उद्घाटन करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा करके समाजवादी पार्टी सभी एकरंगी सोचवालों को जवाब देगी। उन्होंने ट्वीट में कहा कि फीता आया लखनऊ से और नयी दिल्ली से कैंची आई, सपा के काम का श्रेय लेने को मची है खिचम-खिंचाई। आशा है कि अब तक अकेले में बैठकर लखनऊवालों ने समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की लंबाई का आँकड़ा रट लिया होगा। सपा बहुरंगी पुष्पवर्षा से इसका उद्घाटन करके एकरंगी सोचवालों को जवाब देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुलतानपुर में आगमन से पहले समाजवादी पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का सांकेतिक लोकार्पण किया। इस दौरान वहां पर सपाइयों ने फूल बरसा कर साइकिल यात्रा निकाली। आजमगढ़ में पार्टी के इस सांकेतिक लोकार्पण में पूर्व मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव और विधायक नफीस अहमद समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे। सांकेतिक लोकार्पण को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहले ही बता दिया था। बावजूद इसके पुलिस महकमा व जिला प्रशासन इसे लेकर संजीदा नहीं रहा। सूचना मिलते ही वहां प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहले ही कार्यकर्ताओं से कह दिया था कि वह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का संकेतिक लोकार्पण करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी विजय यात्रा को आगे नहीं बढने दिया गया तो हम साइकल कंधे पर लेकर आगे बढ़ेंगे। पूर्व सीएम के निर्देश पर सपाइयों ने मंगलवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जाकर सांकेतिक लोकार्पण कर दिया। सपाइयों ने एक्सप्रेस-वे पर फूल बरसाते हुए साइकिल यात्रा निकाली। साइकिल यात्रा में पूर्व मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव, नफीस अहमद समेत अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

सपाइयों का कहना है कि इस समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पहले ही कर चुके हैं। हम इसका सांकेतिक लोकार्पण आज कर रहे हैं। किशुंदासपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण समाजवादी युवजन सभा के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लालजीत यादव क्रांतिकारी ने फीता काटकर किया। अखिलेश यादव ने कहा कि हम मंगलवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के जरिए गाजीपुर से आजमगढ़ और आजमगढ़ से लखनऊ तक रथयात्रा निकाल रहे थे, जिससे हम सपा सरकार में बने एक्सप्रेस-वे पर चल सकें। गाजीपुर के डीएम ने कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी। अब तो सपा कार्यकर्ता फूल बरसा कर सांकेतिक तौर पर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे।

एयर पॉल्युशन से हो सकता है सीओपीडी!

इनहेलर के प्रयोग से नहीं पड़ती इसकी आदत : डॉ अर्जुन खन्ना

सीओपीडी के मरीजों को अभी एक साथ इकट्ठा करना टाइम बम लगाने के समान है : के के पांडेय

ओपन सर्च

गाजियाबाद। वैसे तो हर साल 17 नवंबर को वर्ल्ड सीओपीडी डे मनाया जाता है, किंतु इस वर्ष यह बहुत ही अलग है; क्योंकि इसे डिजिटली मनाने पर ही ज्यादा जोर दिया जा रहा है। कारण है दिल्ली-एनसीआर में बढ़ता वायु प्रदूषण! जिसके चलते मरीजों को इकट्ठा करना उनके जीवन से खेलने जैसा है। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी के वरिष्ठ श्वास रोग एवं क्रिटिकल रोग विशेषज्ञ डॉ के के पांडे, अर्जुन खन्ना और डॉक्टर अंकित सिन्हा ने बताया कि इस वर्ष दिल्ली एनसीआर में पॉल्युशन बहुत ही ज्यादा बढ़ा हुआ है और खतरनाक लेवल को पार कर चुका है। ऐसे में वर्ल्ड सीओपीडी मनाने के लिए मरीजों के लिए कार्यक्रम करने के अनुरोध आ रहे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि इसके लिए सीओपीडी के मरीजों को एक साथ इकट्ठा करना है, जो कि इस समय टाइम बम के समान है और इस हेतु कोई भी कार्यक्रम फिजिकल रूप में करना उचित नहीं है। ऐसे में उन्होंने सीओपीडी के मरीजों से जागरूक रहने के लिए अनुरोध किया और कहा कि एन-95 मास्क पहन कर के ही घर से बाहर निकलने और अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखने और जरूरत होने पर चिकित्सक की सलाह तुरंत लेने की सलाह दी। डॉक्टर अर्जुन खन्ना ने कहा कि विगत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष पलमोनरी ओपीडी में 30 प्रतिशत मरीज बढ़े हैं और जो मरीज ठीक हैं, उन्हें समस्या बढ़ गई है और उन्हें नेबुलाइजेशन से लेकर के अस्पताल में भर्ती तक की आवश्यकता पड़ रही है। डॉक्टर अर्जुन खन्ना ने इस वर्ष सीओपीडी डे पर एक बहुत महत्वपूर्ण मैसेज दिया कि सीओपीडी के मरीजों को इन्हेलर लेने से इसलिए नहीं डरना चाहिए कि इसकी आदत पड़ जाएगी। उन्होंने कहा यह एक बहुत बड़ी सामाजिक भ्रांति है जिसमें मुख्यतः बच्चे, अविवाहित महिलाएं और हाई प्रोफाइल के लोग इस भ्रांति में उलझ जाते हैं। ऐसे में आप यदि इनहेलर का प्रयोग नहीं करते हैं तो आपके फेफड़ों के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है और रिकवरी होने में भी देर लगती है। उन्होंने बताया कि इनहेलर सीधे फेफड़ों में जाते हैं और यह अधिक प्रभावकारी होते हैं। साथ ही में गोलियों के होने वाले दुष्प्रभाव से भी बचाते हैं।

शादी से इन्कार करने पर युवती को बाल पकड़कर सड़क पर घसीटा,

बरेली (एजेंसी) गांव की युवती ने शादी से इन्कार किया तो बौखलाए युवक ने ऐसा काम किया कि जिसने भी सुना वह सिहर गया। युवक ने युवती को सरेराह घेर लिया और बाल पकड़कर काफी दूर तक घसीटा। युवती उस समय अपने मौसेरे भाई के साथ घर जा रही थी। युवती के विरोध करने पर युवक ने उसे गोली मार दी। तड़ातड़ गोली मारकर युवती की गर्दन छलनी कर दी। इसके बाद आरोपित युवक मौके से भाग निकला। युवती के मौसेरे भाई की सूचना पर पुलिस और परिवार वाले मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। मुकदमा दर्ज करके आरोपित युवक की तलाश में पुलिस टीमें लगाई गई हैं। बरेली के फतेहगंज पूर्वी के डगरौली गांव में रहने वाली उजाला सोमवार की दोपहर अपने मौसेरे भाई राजवीर के साथ कस्बे के बाजार गई थी। पुलिस के अनुसार शाम करीब छह बजे दोनों बाइक से गांव लौट रहे थे।

सीओ कैंट, रामगढ ताल इंस्पेक्टर व होटल के वेटर से सीबीआइ ने की पूछताछ

गोरखपुर (एजेंसी)
कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता हत्याकांड की जांच कर रही सीबीआइ ने 15 नवंबर को होटल कृष्णा पैलेस के वेटर नितीश कुमार, रामगढ़ताल थाने के इंस्पेक्टर सुशील कुमार शुक्ला व सीओ कैंट से पूछताछ की।वेटर से उन्होंने पूछ कि घटना वाले दिन क्या हुआ।

इंस्पेक्टर से थाने की कार्यशैली और घटना के बाद की स्थिति को समझा। शाम को सीओ कैंट कार्यालय पहुंची सीबीआइ ने सीओ से घटना के बाद हुई कार्रवाई की जानकारी ली। वहां से लौटने के बाद एनेक्सी भवन में कानपुर एसआइटी की इंस्पेक्टर व दारोगा से बातचीत की।

इससे पहले सुबह 10.30 बजे सीबीआइ दीवानी कचहरी पहुंची और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय से कुछ जरूरी कागजात हासिल कर लौट आई।बाद में कोर्ट पैरोकार ने एनेक्सी भवन पहुंच कर कुछ और पेपर उपलब्ध कराया। सीबीआइ ने 15 नवंबर की सुबह पूछताछ के लिए होटल कृष्णा पैलेस के वेटर का काम करने वाले बिहार, सहरसा के नितीश कुमार को बुलाया था।सुबह 11.30 बजे एनेक्सी भवन पहुंचे नितीश कुमार से एक घंटे तक पूछताछ चली।

पूछताछ के बाद बाहर निकले नितीश ने बताया कि तीन दिन पहले सीबीआइ ने फोन कर 15 नवंबर को बुलाया था।उससे घटना और समय के बारे में पूछा गया। नितीश ने बताया कि 27 सितम्बर को दिन में उसकी ड्यूटी थी, रात को नहीं था।पूछताछ के बाद सीबीआइ इंस्पेक्टर ने कहा कि जरुरत पड़ने पर फिर बुलाया जाएगा।घटना के बाद उसने वेटर की नौकरी छोड़ दी है। अब अपने गांव पर ही रहता है। शाम चार बजे सीबीआइ ने रामगढ़ताल थाने के इंस्पेक्टर सुशील कुमार शुक्ला को बुलाया। 45 मिनट तक उनसे पूछताछ चली। उन्होंने बताया कि घटना के बाद एक और इंस्पेक्टर की तैनाती हुई थी। उन्हें एक दूसरे घटना में निलंबित कर दिया गया था उसके बाद उनकी तैनाती हुई है। सुशील कुमार शुक्ला ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीबीआइ ने अभी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी नहीं ली बस उनसे थाने के काम-काज और एफआइआर से जुड़ी जानकारी ली।

कुछ कागजात मांगे जिसे उन्होंने थाने से मंगाकर दिया। सीओ कैंट श्यामदेव बिंद भी घटना के समय सर्किल में तैनात नहीं थे। तत्कालीन सीओ रहे राहुल भाटी के हटने पर उन्हें यहां तैनात किया गया।

यूपी के डीजीपी मुकुल गोयल बोले, प्रदेश में महिला अपराध में और कमी लाने की जरूरत

लखनऊ (एजेंसी)
वीमेन पावर लाइन का 10 वां स्थापना दिवस सोमवार को मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक ने कहा कि महिआओं के प्रति अपराध में कमी नहीं आ रही है। इस दिशा में और प्रयास करने की जरुरत है।

उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ समाज के हर वर्ग के लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। कार्यक्रम के दौरान डीजीपी ने सामुदायिक भागीदारी एवं जनजागरुकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डीजीपी ने 1090 के पंफलेट का अनावरण किया और ग्राम प्रहरियों, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा नेहरु युवा केंद्र के सदस्यों को वितरित किया। इस दौरान 1090 के कार्ड, पोस्टर, रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को भेजे जाने वाले मैसेज, बल्क में भेजे जाने वाले संदेश व रोडवेज बस टिकट ब्रांडिंग का अनावरण भी किया गया।

अब रोडवेज बस के टिकट पर 1090 की जानकारी भी होगी। डीजीपी ने सेफ सिटी परियोजना के तहत एलइडी वैन, रोडवेज बस और निजी वाहनों को झंडा दिखाकर रवाना किया, जिनपर जागरुकता से जुड़े स्टीकर लगाए गए हैं। एडीजी महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन नीरा रावत ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए व्यापक स्तर पर किए जा रहे जागरुकता कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल, कारपोरेट, टेली सर्विस प्रदाता, सिक्योरिटी गार्ड व ग्राम प्रहरियों समेत संगठनों के सहयोग से अलग अलग कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इनमें हम फार हर व फर्क पड़ता है मुख्य रूप से हैं। वर्ष 2012 में हुई थी स्थापनाः वीमेन पावर लाइन की स्थापना 15 नवंबर 2012 को हुई थी।

फोन पर महिलाओं से अभद्रता की बढ़ती शिकायतों के निस्तारण के लिए इसकी परिकल्पना की गई थी। प्रारंभ में तीन कमरों में इसकी शुरूआत हुई और 1090 ने बड़ा रूप धारण कर लिया। वर्तमान में इसका संचालन दो मंजिला भवन में 24 घंटे हो रहा है। 19 लाख 80 हजार शिकायतेंः वीमेन पावर लाइन पर तकरीबन 19 लाख 80 हजार शिकायतें दर्ज की गई हैं। एडीजी नीरा रावत के मुताबिक अधिकांश मामलों का निस्तारण किया जा चुका है।

एक से दो फीसद मामलों का निस्तारण जारी है। वीमेन पावर लाइन में सोमवार को प्रशिक्षण मैनुअल भी जारी किया गया। इसके तहत 26 हजार लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। इनमें पुलिस, लखनऊ विकास प्राधिकरण, नगर निगम, परिवहन विभाग व स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य शामिल हैं। प्रशिक्षण में महिलाओं की सुरक्षा एवं संरक्षा, व्यवहार पहलू एवं विकास, लैंगिक संवेदीकरण और साइबर

केजरीवाल सरकार का लक्ष्य 2047 तक दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय सिंगापुर के होगी बराबर

पिछले 6 सालों में दिल्ली की विकास दर 11-12% पहुंची, प्रति व्यक्ति आय भी पूरे देश की तुलना में 3 गुणा, देश की जीडीपी में दिल्ली का योगदान 4.4%

दिल्ली के चहुँमुखी विकास में दिल्ली सरकार के पास जमीन का न होना सबसे बड़ी चुनौती, केंद्र सरकार से है सहयोग की अपेक्षा : उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय सिंगापुर के बराबर पहुँच जाए। पिछले 6 सालों में दिल्ली की विकास दर 11-12% पहुंच चुकी है दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय भी पूरे देश की तुलना में 3 गुणा ज्यादा है साथ ही देश की जीडीपी में दिल्ली का योगदान 4.4% है।

ये सब बाते उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार देरशाम को केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित एक वर्चुअल बैठक में कही। इस बैठक में देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर करने और राज्यों में विकास की रफ़्तार को तेज करने को लेकर चर्चा की गई। मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के चहुँमुखी विकास में दिल्ली सरकार के पास जमीन का न होना सबसे बड़ी चुनौती है। केंद्र सरकार से अपेक्षा है कि इस मामले में वो दिल्ली सरकार का सहयोग करे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने साझा किया कि दिल्ली देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक है और सरकार दिल्ली में एक प्रोग्रेसिव बिज़नेस एनवायरनमेंट बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली में पिछले 5-6 सालों में विकास दर 11-12% रही है और नेशनल जीडीपी में दिल्ली का योगदान 4.4त्न रहा है जबकि दिल्ली की आबादी देश की आबादी की केवल 1.49% है। इसलिए दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय 3 लाख 54 हज़ार है जो देश के प्रति व्यक्ति आय की तीन गुना है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली के विकास के लिए योजना बना रहे है। हमारा टारगेट है कि 2047 में जब हम देश की आजादी की 100वीं सालगिरह मना रहे होंगे तब दिल्ली की प्रतिव्यक्ति आय सिंगापुर में तब के प्रतिव्यक्ति आय के बराबर पहुँच जाएँ।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के जीडीपी में सर्विस सेक्टर का योगदान 85त्न है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली के विकास के लिए कई मुद्दों पर काम कर रहे है जिसमे केंद्र का सहयोग अपेक्षित है। श्री सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में 29 प्लांड इंडस्ट्रियल एरिया और 4 फ्लैटेड फैक्ट्री काम्प्लेक्स हैं। इसके अलावा, 25 नॉन-कांफोर्मिंग इंडस्ट्रियल क्लस्टर है। ये कागजों पर नॉन कांफेर्मिंग है लेकिन वहां सारी गतिविधियाँ चल रही है। इसे केंद्र सरकार जल्द से जल्द कंफ़र्म करे ताकि ये दिल्ली के ग्रोथ का हिस्सा बन सके। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार को साथ में मिलकर काम करना होगा। और हमें केंद्र सरकार और डीडीए का सहयोग चाहिए उन्होंने बताया कि केजरीवाल सरकार रानी खेरा में 147 एकड़ भूमि पर एक विश्व स्तरीय मल्टीलेवल मैन्युफैक्चरिंग हब तैयार करने की योजना बनाई जा रही है। साथ ही कि दिल्ली सरकार बापरोला में लगभग 55.20 एकड़ जमीन पर एक नॉलेज बेस्ड इंडस्ट्रियल पार्क को विकसित कर रही है। और दिल्ली सरकार कांझावाला में भी एक इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने जा रही है। इस प्रस्तावित परियोजना 920 एकड़ के क्षेत्र में फैली एक प्रमुख ग्रीनफील्ड परियोजना होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली की सड़कों को विश्वस्तरीय बनाने का काम कर रही है।

दिल्ली में 30 मीटर से ज्यादा चौड़ी 540 किमी सड़के है। हमारा प्रयास इन सड़कों को दुनिया के विकसित देशों के शहरों की सड़कों के जैसा बनाना है। इन सड़कों को स्मार्ट सड़क बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने जो योजना तैयार की है उसके लिए 11000 करोड़ रुपयों की जरुरत है। दिल्ली सरकार अपने फंड से इस परियोजना पर काम कर रही है लेकिन केंद्र सरकार से भी अपेक्षा रखती है कि केंद्र इसमें सहयोग करे। ताकि जब दूसरे देशों से लोग भारत की राजधानी दिल्ली में आयें तो यहाँ की सड़कों को देखकर उनके मन में देश की अच्छी छवि बने। प्रदूषण पर नकेल कस रही दिल्ली सरकार : उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली तेजी से विकास कर रहा राज्य है। हम इस शहर को पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में केजरीवाल सरकार लगातार काम कर रही है। जिसके लिए केजरीवाल सरकार ने ई-व्हीकल पालिसी बनाई है। उन्होंने कहा कि दुनिया के विकसित देशों में इतनी बड़ी मात्रा में ई-व्हीकल इसलिए है क्योंकि वहां बड़ी संख्या में चार्जिंग स्टेशन भी बनाए गए है।

दिल्ली सरकार दिल्ली को भी ई-व्हीकल कैपिटल बनाना चाहती है इसके लिए दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार और डीडीए से सहयोग चाहती है क्योंकि दिल्ली में जमीन डीडीए के पास है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदूषण पर नकेल कसने के लिए, दिल्ली सरकार ने 1000 ई-बसों को खरीदा है। आने वाले दिनों में दिल्ली सरकार 4000-5000 ई-बसें खरीदने की योजना बना रही है। जिसके लिए केंद्र सरकार का सहयोग अपेक्षित है। केजरीवाल सरकार खड़े कर रही है अस्पतालों का जाल, जमीन की है जरुरत : उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के लोगों को स्वस्थ रखने के लिए दिल्ली सरकार प्रयासरत है।

एक नज़र

विधायक राघव चड्ढा की अध्यक्षता वाली शांति एवं सद्भाव समिति के सामने 18 नवंबर को पेश होंगे फेसबुक इंडिया के पब्लिक पॉलिसी डायरेक्टर और लीगल डायरेक्टर

पंकज तिवारी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। विधायक राघव चड्ढा की अध्यक्षता में दिल्ली विधान सभा की शांति एवं सद्भाव समिति द्वारा फेसबुक इंडिया को जारी किए गए समन पर फेसबुक इंडिया के पब्लिक पॉलिसी (सार्वजनिक नीति) डायरेक्टर शिवनाथ ठुकराल और लीगल डायरेक्टर (कानूनी निदेशक) जी.वी. आनंद भूषण 18 नवंबर को समिति के समक्ष पेश होंगे। समिति द्वारा फेसबुक इंडिया को समन जारी किया गया था कि हिंसा और वैमनस्य को भड़काने वाले झूठे, भड़काऊ और दुर्भावनापूर्ण संदेशों फैलने से रोकने में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपना पक्ष रखें। समिति के कामकाज में अत्यधिक पारदर्शिता बनाए रखने और अधिक सार्वजनिक पहुंच के लिए इस कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाएगा। विधायक राघव चड्ढा की अध्यक्षता वाली समिति की बैठक 18 नवंबर, 2021 को दिल्ली विधानसभा में दोपहर 12:30 बजे से होगी, ताकि तत्काल आगे की कार्रवाई शुरू की जा सके। गुरुवार को समिति की कार्यवाही को भी लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। विधायक राघव चड्ढा की अध्यक्षता में समिति ने अब तक सात अत्यंत महत्वपूर्ण गवाहों की जांच की है, जिसमें प्रख्यात पत्रकार और लेखक परंजॉय गुहा ठाकुरता, डिजिटल राइट्स एक्टिविस्ट निखिल पाहवा, वरिष्ठ पत्रकार अवेश तिवारी, प्रख्यात स्वतंत्र और खोजी पत्रकार कुणाल पुरोहित, न्यूजक्लिक के संपादक प्रबीर पुरकायस्थ, ऑल्ट न्यूज के सह संस्थापक प्रतीक सिन्हा और फेसबुक इंक के पूर्व कर्मचारी मार्क एस लक्की शामिल हैं।

बदमाशों ने तुगलकाबाद गांव में एटीएम तोड़ कैश लूटा

नई दिल्ली (एजेंसी) तुगलकाबाद गांव में एटीएम तोड़ने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने गैस कटर के जरिये यूनियन बैंक के एटीएम को तोड़ा है। हालांकि एटीएम से कितनी नकदी चोरी हुई है, इस बारे में बैंक की ओर से अब तक कोई शिकायत नहीं दी गई है। जानकारी के अनुसार, सांसद रमेश बिधूड़ी के घर से दूसरे घर में यूनियन बैंक का एटीएम लगा हुआ है। सोमवार सुबह दूध लेने निकले रमेश बिधूड़ी ने एटीएम का शटर टूटा हुआ देखा। उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस टीम ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि फोरेंसिक टीम की ओर से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं। हालांकि, अब तक बैंक की तरफ से घटना की कोई शिकायत पुलिस को नहीं दी गई है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि एटीएम बूथ पर छह साल से कोई गार्ड तैनात नहीं किया गया है। बीट स्टाफ की ओर से बैंक अधिकारियों को लगातार रिमाइंडर भेजे गए हैं। बैंक की ओर से शिकायत नहीं दी गई है। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पंडारा पार्क के पास स्थित सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (सीजीएचएस) डिस्पेंसरी के पास एक निजी मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी की ओर से खोदे गए गहरे गड्ढे में गाय फंस गई। स्थानीय लोगों को जब पता चला तो गाय को गड्ढे से निकालने के प्रयास शुरू किए गए।

काफी प्रयास के बाद क्रेन की मदद से गाय को गड्ढे निकाला गया, लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुकी थी। घटना शुक्रवार देर रात की है। इस मामले में स्थानीय निवासियों की ओर से मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी के खिलाफ दी गई शिकायत पर एफआइआर दर्ज कर ली गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कंपनी की ओर से बिना किसी चेतावनी के गड्ढा खोद कर छोड़ दिया गया। इस गड्ढे में बच्चे व बुजुर्ग भी गिर सकते हैं। पुलिस को दी शिकायत में प्रकाश चौहान ने बताया है कि वह रात 10 बजे बेटी के साथ घूम रहे थे। इस दौरान डिस्पेंसरी के पास खोदे गए गड्ढे में गाय फंसी हुई थी। आसपास के लोगों को बुला कर गाय को निकालने के प्रयास शुरू किए गए। क्रेन भी मंगाई गई। पीसीआर काल कर पुलिस को जानकारी दी गई।

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा हरियाणा से शराब लाकर पार्किंग में छिपाने वाला तस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी) शाहदरा जिले के स्पेशल स्टाफ ने एक शराब तस्कर व इस धंधे में शामिल उसके साथी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान अनवर हुसैन व उसके सहयोगी जावेद के रूप में हुई है। पुलिस ने अनवर की होंडा सिटी कार से अवैध शराब की 63 पेटियां बरामद की हैं। पुलिस ने कार जब्त कर ली है। अनवर सीमापुरी थाना क्षेत्र का घोषित बदमाश है, इसपर हत्या, हत्या के प्रयास, दुष्कर्म सहित आठ केस दर्ज हैं।

हरियाणा से वाहनों में अवैध शराब लाकर यमुनापार की पार्किंग में वाहनों को खड़ा कर देते थे। 31 अक्टूबर की रात को भी पुलिस ने 30 किलोमीटर तक पीछा कर मेरठ हाइवे से अनवर को पकड़ने का प्रयास किया था, लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। जिला पुलिस उपायुक्त आर सत्यसुंदरम ने बताया कि अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाया हुआ है। एसीपी शाहदरा राजेश मीणा के नेतृत्व में स्पेशल स्टाफ के इंचार्ज विकास और हेड कांस्टेबल राहुल व अन्य की टीम बनाई हुई थी। टीम को गुप्त सूचना मिली कि रोड नंबर-57 पर होंडा सिटी कार में शराब की खेप लाई जा रही है।

टीम ने अपना जाल बिछाया, जैसे ही होंडा सिटी कार को आते देखा टीम ने इशारा करके उसे रुकने को कहा। चालक फरार होने लगा, टीम ने पीछा कर अप्सरा बोर्डर पर उसे दबोच लिया। जांच में वह वही कार निकली, जिसका पीछा पुलिस टीम ने 31 अक्टूबर को किया था। पुलिस को जांच में पता चला अनवर मूलरूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला है, फिलहाल सीमापुरी क्षेत्र में रहकर वह रिक्शा चलाता है और पेशेवर अपराधी है। मयूर विहार का घोषित बदमाश कमल किशोर उर्फ केपी और उसका सहयोगी अशोक हरियाणा से वाहनों से अवैध शराब लाते थे और यमुनापार की विभिन्न पार्किंग में वाहनों को खड़ा कर दिया करते थे। कमल किशोर ने ही अनवर को जावेद के जरिये शराब की खेप पहुंचाई थी।

निजामुद्दीन इलाके में घर में मृत मिलीं दो घरेलू सहायिकाएं, पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी) हजरत निजामुद्दीन थाना क्षेत्र के जंगपुरा एक्सटेंशन इलाके में एक कमरे में दो घरेलू सहायिकाएं मृत पाई गई हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों की पहचान दार्जिलिंग की रहने वाली मीना राय और सुजाता के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। सोमवार सुबह करीब 10 बजे एक महिला ने पुलिस को फोन कर बताया कि उसकी दो घरेलू सहायिकाएं कमरे में मृत पड़ी हुई है।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, जहां दो महिलाएं अचेत अवस्था में पड़ी हुई थी। पुलिस टीम ने दोनों को नजदीकी चिकित्सालय लेकर पहुंचीं, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक शवों पर किसी बाहरी चोट के निशान नहीं हैं। वहीं, दक्षिणी दिल्ली के अमर कालोनी थाना क्षेत्र में काम दिलाने के नाम पर घरेलू सहायिका से ठगी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने लिखित शिकायत कर अंजान युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार, सरिता देवी जेजे इंदिरा कैंप श्रीनिवासपुरी में परिवार के साथ रहती हैं। वे केंद्रीय विद्यालय डिफेंस कालोनी में सफाई का काम करती हैं। 13 नवंबर को वह ईस्ट आफ कैलाश इलाके में काम की तलाश में घूम रही थीं। इस दौरान एक युवक ने उन्हें काम दिलाने का झांसा दिया और वह पास की गली तक ले गया। वह एक महिला से बात करता रहा। युवक ने पीड़िता से कहा कि नौकरी दिलाने के लिए उसे भुगतान करना होगा और महिला से नौ हजार रुपये लेकर भाग गया।

रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ कैंपेन का दूसरा चरण 19 नवंबर से 3 दिसंबर तक चलाया जाएगा : गोपाल राय

अगर प्रदूषण में पराली का 4 फीसद योगदान को लेकर रणनीति बनेगी, तो अलग परिणाम होंगे और 40 फीसद पर रणनीति बनेगी, तो अलग परिणाम होंगे : गोपाल राय

हमें उम्मीद है कि इस बैठक से प्रदूषण को कम करने को लेकर संयुक्त एक्शन प्लान निकलेगा, जिसे सभी राज्य मिलकर लागू करेंगे : गोपाल राय

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री श्री गोपाल राय ने आज बताया कि दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ कैंपेन का दूसरा चरण 19 नवंबर से 3 दिसंबर तक चलाया जाएगा। पर्यावरण मंत्री ने आगे बताया कि प्रदूषण में पराली के योगदान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की तरफ से दाखिल हलफनामे पर सवाल खड़े किए हैं। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि सुप्रीम केंद्र सरकार के हलफनामे में दो तथ्य होने से असमंजस की स्थिति बन गई है।

एक ही हलफनामें में एक तथ्य बता रहा है कि प्रदूषण में पराली का योगदान 4 फीसद है और दूसरा तथ्य 35 से 40 फीसद बता रहा है। अगर प्रदूषण में पराली का 4 फीसद योगदान को लेकर रणनीति बनेगी, तो उसके अलग परिणाम होंगे और 40 फीसद पर रणनीति बनेगी, तो अलग परिणाम होंगे। ऐसे में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, ताकि प्रदूषण को लेकर सही रणनीति बन सके और इसका तात्कालिक और स्थाई समाधान निकाला जा सकें। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर आज एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग कमीशन ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक की थी, जिसमें सभी ने अपना-अपना पक्ष रखा।

हमें उम्मीद है कि इस बैठक से प्रदूषण को कम करने को लेकर एक संयुक्त एक्शन प्लान निकलेगा, जिसे सभी राज्य मिलकर लागू करेंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि दिल्ली में बढ़े प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार की तरफ से लगातार पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देशानुसार, कल से दिल्ली के अंदर सभी निर्माण व ध्वस्तीकरण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। स्कूल-कॉलेज, ट्रेनिंग सेंटर आदि बंद कर दिए गए हैं और वर्क फ्रॉम होम का आदेश लागू हो चुका है। कल हमने जगह-जगह पर डीपीसीसी की टीमों को निर्माण साइटों का निरीक्षण करने के लिए भेजा था कि वहां पर मानदंडों का पालन किया जा रहा है या नहीं। डीपीसीसी की रिपोर्ट आई है कि दिल्ली के अंदर निर्माण गतिविधियों पर सभी जगह रोक लगा दी गई है और आज भी हमारी टीमें निरीक्षण कर रही हैं। दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण को लेकर कल माननीय सुप्रीम कोर्ट ने एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग कमीशन को संयुक्त बैठक करने का निर्देश दिया था। इस परिप्रेक्ष्य में आज पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के अधिकारियों के साथ बैठक हुई है।

इस बैठक में हम लोगों ने दिल्ली की तरफ से प्रस्ताव रखा है कि दिल्ली-एनसीआर सभी जगह वर्क फॉम होम को लागू किया जाएगा। दिल्ली की तरह ही एनसीआर में भी निर्माण कार्य बंद किया जाए। बैठक में इंडस्ट्री को भी बंद करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को एक साथ नियंत्रित किया जा सके। बैठक में दूसरे राज्यों ने भी अपनी-अपनी बात रखी है। हम एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग कमीशन के अंतिम निर्णय का इंतजार कर रहे हैं, जिसके आधार पर हम आगे की कार्रवाई शुरू करेंगे। हमें उम्मीद है कि इस संयुक्त बैठक से एक संयुक्त एक्शन प्लान निकल कर आएगा, जिसे सभी राज्य मिलकर लागू करेंगे, जिससे कि इस प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सके।

रोहिणी जेल में राजा की तरह आलीशान जिंदगी जीता था सुकेश चंद्रशेखर, अधिकारियों ने दे रखी थी ये सुविधाएं

नई दिल्ली (एजेंसी) जेल में बंद रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर मलविंदर सिंह व शिविंदर सिंह को जमानत दिलाने के नाम पर उनकी पत्नियों से दो सौ करोड़ से अधिक ठगने वाला सुकेश चंद्रशेखर रोहिणी जेल में आलीशान जिंदगी जीता था। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के एडिशनल कमिश्नर आरके सिंह ने बताया कि सुकेश जेल में राजा की तरह रह रहा था। उसे जेल के बड़े अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त था। आरके सिंह ने कहा कि उसके लिए अन्य सभी कैदियों का एक पूरा बैरक खाली कर दिया गया था।

वह मोबाइल फोन का उपयोग कर रहा था और जेल से ही वसूली रैकेट चलाता था। जांच में पता चला कि हवाला डीलरों और मनी कैरियर के जरिए जेल अधिकारियों को पैसे ट्रांसफर किए जाते थे। पुलिस ने सभी सबूतों पर विचार करने के बाद जेल अधिकारियों को भी गिरफ्तार किया है। उनकी एक तरह से संलिप्तता साबित हुई है। जेल अधिकारियों ने अपराध में सुकेश की मदद की थी। अभी तक पुलिस जांच में पाया गया है कि सुकेश को रोहिणी जेल में रहने के लिए एक ऐसा बैरक दिया था जिसमें 40 कैदी रह सकते थे। वह उसमें अकेला रहता था। उसके बैरक में सीसीटीवी कैमरों भी नही लगाए गए थे। उसे आइफोन, विदेशी सिम कार्ड, महंगे होटल का खाना मिलता था। इसके अलावा नियमों को ताक पर रखकर लोगों को उससे मिलने दिया जाता था।

जेल के बड़े अधिकारी सुकेश को वीवीआइपी होटल जैसी सुविधाएं मुहैया करा रहे थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि सुकेश जेल अधिकारियों के साथ मिलकर संगठित गिरोह चला रहा था। सुकेश को मुख्य रूप से जेल अधिक्षक सुनील कुमार और सुंदर वोहरा मदद कर रहे थे। इसके बदले इन्हें हर 15 दिन में 65 लाख रुपये सुकेश की तरफ से मिलते थे। अब तक की जांच में सुकेश ने इन दोनों को 20 करोड़ रुपये से अधिक की रकम दे चुका है। पुलिस जांच कर रही है कि ये रकम कितने लोगों में बांटी गई। बता दें कि सुकेश को वीवीआइपी सुविधाएं मुहैया कराने वाले पांच जेल अधिकारियों को दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने नौ नवंबर को गिरफ्तार किया था।

जनता के प्रति जिम्मेदारी नहीं निभा सकते तो सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)
सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण की समस्या को गंभीरता से लिया है। दिल्ली सरकार को कहा है कि वह अपनी जिम्मेदारी से नहीं भागे। बावजूद दिल्ली सरकार पर कोई असर नहीं है। दिल्लीवासियों को संकट में छोड़कर मुख्यमंत्री गोवा में घूम रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री, अन्य मंत्री व विधायक राजनीतिक भ्रमण पर हैं। यदि अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा सकते तो मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। प्रेस कांफ्रेंस में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज दिल्ली को सबसे प्रदूषित शहर बना दिया। दिल्ली के लोग गैस चैंबर में रह रहे हैं। इसी का नतीजा है कि लोग गंभीर बीमारियों से पीड़ित हो रहे हैं। इसके लिए केजरीवाल

जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पराली से प्रदूषण मात्र चार प्रतिशत है। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री पंजाब और हरियाणा में पराली जलने को प्रदूषण का कारण बताते हैं। यदि ऐसा होता तो पड़ोसी राज्यों में ज्यादा प्रदूषण होता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली में प्रदूषण के तीन कारण है, जिसमें धूल, वाहनों का धुआं और औद्योगिक इकाइयों का प्रदूषण। दिल्ली में परिवहन प्रणाली बदहाल है। सरकार का कहना है कि दिल्ली में सात हजार बसें चल रही हैं जबकि आरटीआइ के जवाब के अनुसार लगभग पांच हजार बसें चल रही हैं। दो साल पहले दिल्ली में 11 हजार बसों की जरूरत थीं। 1439 करोड़ रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति अधिभार वसूला गया, लेकिन प्रदूषण की समस्या हल करने के लिए इसका इस्तेमाल नहीं किया गया। वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि भाजपा लगातार प्रदूषण के कारणों को लेकर सरकार को सचेत करती रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी यही बात कही है। सरकार की वजह मेट्रो का काम विलंब हो रहा है। धूल से 21 प्रतिशत प्रदूषण फैलता है। भाजपा नेता ने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि प्रदूषण बढ़ने पर हेलिकॉप्टर से पानी का छिड़काव किया जाएगा। मशीन से सड़कों की सफाई करने, स्मॉग टावर लगाने, इलेक्ट्रिक बसें लाने का भी वादा किया था। एक भी वादा पूरा नहीं किया गया। इसके लिए सिर्फ दिल्ली सरकार जिम्मेदार है।

झारखंड पवेलियन में दिख रही रोजगार की किरण, ज्वेलरी बनी आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी) झारखंड का नाम सुनते ही लोगों के मन में नक्सलियों की छवि बननी लगती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब झारखंड के नक्सली इलाकों में बड़े पैमाने पर स्थानीय सरकार युवाओं को रोजगार से अवसर प्रदान कर रही है। प्रगति मैदान में लगे अंतरराष्ट्रीय भारतीय व्यापार मेले में पहली बार नक्सली इलाकों में लघु उद्योगों के तहत बनी वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए पवेलियन में विशेष तौर से प्रदर्शित किया गया है। पवेलियन में सोमवार को राज्य के स्थापना दिवस और धरती बाबा बिरसा मुंडा की जयंती भी मनाई गई।

इस अवसर पर केक काटकर और बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान झारखंड के लोक गीतों और वहां के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। झारखंड के जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक सुनील कुमार ने बताया कि सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए लगातार काम रही है, जिसमें लघु उद्योग पर सबसे अधिक जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि खूंटी जिले में बनने वाले लाह की चूड़ी, कानों के कुंडल के अलावा नक्सली इलाकों में शामिल सरायकेला, चतरा, गढ़वा, गुमला, खूंटी, बोकारो में बनने वाले सामान को पवेलियन में लाया गया है। इसमें सरायकेला की प्राकृतिक हल्दी भी शामिल है, जिसमें सबसे अधिक क्योमिन की मात्र पाई जाती है। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

राजनीति के फेर में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की प्रतिष्ठा दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)
दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के चुनाव को ढाई माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी नई कार्यकारिणी गठित नहीं हो पाई है। इसके लिए विपक्षी दल निवर्तमान अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा की कुर्सी बचाने की शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की जिद को मुख्य वजह मान रहे हैं।

इससे जहां एक ओर कमेटी की कार्यकारिणी का गठन लटका हुआ है, वहीं इस धार्मिक संस्था की प्रतिष्ठा को भी ठेस लग रही है। डीएसजीएमसी के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब चुनाव के बाद भी इतने लंबे समय तक खींचतान मची हुई है और कार्यकारिणी गठित नहीं हो पा रही है। यही नहीं, तीनों प्रमुख दल राजनीतिक भिड़ंत में जुटे हुए हैं। जहां आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, वहीं जीते हुए सदस्यों को अपने पाले में करने के लिए पर्दे के पीछे जोड़-तोड़ के भी जमकर प्रयास हो रहे हैं। धार्मिक संस्था में इस तरह की राजनीति से न सिर्फ सिख संगत में रोष है, बल्कि गतिरोध की वजह से कमेटी के सभी कार्य ठप पड़े हैं। अब सभी की नजर मनजिंदर सिंह सिरसा के मामले की 17 नवंबर को अदालत में होने वाली सुनवाई पर है।

बता दें कि मनजिंद सिंह सिरसा को विगत 22 अगस्त को हुए डीएसजीएमसी चुनाव में हारने के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी)ने डीएसजीएमसी में नामित कर दिया था, ताकि उनके अध्यक्ष बनने का रास्ता साफ हो सके। लेकिन अकाली दल (दिल्ली) ने उनके पंजाबी ज्ञान पर सवाल उठाया तो पंजाबी टेस्ट में फेल होने पर उन्हें अयोग्य ठहरा दिया गया। इसे स्वीकार करने के बजाय वह इसके विरोध में अदालत चले गए, जिसके

कारण कार्यकारिणी गठन का मामला लटक गया। मनजिंदर सिंह सिरसा को कमेटी का अध्यक्ष बनने से रोकने में विपक्षी दल पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। वहीं, जग आसरा गुरु ओट (जागो) के अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके का आरोप है कि एसजीपीसी ने नियमों की अवहेलना कर सिरसा को डीएसजीएमसी में सदस्य के तौर पर नामित किया है। उनका कहना है कि एसजीपीसी के दो सदस्यों ने अदालत में हलफनामा दिया है कि मनजिंदर सिंह सिरसा को मतगणना के दो दिन पहले ही कमेटी की बैठक द्वारा नामित किए जाने का पत्र दिया गया है, जबकि उस दिन बैठक के एजेंडे में यह विषय नहीं था और न ही इसपर कोई चर्चा हुई। ऐसे में मनजिंदर सिंह सिरसा को डीएसजीएमसी में नामित किया जाना भी विवादों में है। वहीं, जागो ने डीएसजीएमसी चुनाव जीते शिअद के कई सदस्यों के खिलाफ भी पंजाबी ज्ञान न होने का आरोप लगाते हुए अदालत से इनकी सदस्यता रद करने की मांग की है।

जीके का यह भी कहना है कि वर्ष 2013 में चुनाव जीतने वाले एक सदस्य सतनाम सिंह औलख का शपथ लेने से पहले ही निधन हो गया था, इसके बावजूद कार्यकारिणी का चुनाव हुआ था, इसलिए मनजिंदर सिंह सिरसा के मामले का फैसला यदि जल्दी नहीं भी होता है, तो भी कार्यकारिणी का चुनाव नहीं रोका जाना चाहिए।

मनजीत सिंह जीके (अध्यक्ष, जग आसरा गुरु ओट) का कहना है कि पता नहीं सुखबीर बादल की क्या मजबूरी है कि वो मनजिंदर सिंह सिरसा को हर हाल में डीएसजीएमसी का अध्यक्ष बनवाना चाहते हैं। मनजिंदर सिंह सिरसा के मुकदमे की हर तारीख पर वकीलों को कमेटी के फंड से पैसे दिए जा रहे हैं। वहीं, परमजीत सिंह सरना (अध्यक्ष, अकाली दल दिल्ली) की मानें तो मनजिंदर सिंह सिरसा हर तारीख में गुरु की गोलक से वकीलों को पैसा दे रहे हैं। यह सही नहीं हो रहा है। यह मामले को लटकाकर कुर्सी हथियाने की भी साजिश है, जिसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

इन सब आरोप पर हरमीत सिंह कालका (अध्यक्ष, शिरोमणि अकाली दल, दिल्ली) का कहना है कि ये कहना गलत है कि मुकदमे में गुरु घर से पैसा खर्च हो रहा है। जो मुकदमा लड़ रहा है वो अपना पैसा खर्च कर रहा है। कार्यकारिणी गठन में जो देरी हो रही है वह धार्मिक कमेटी के लिए ठीक नहीं है। मेरी पूरी कोशिश है कि डीएसजीएमसी में शिअद के जीते सदस्यों की कार्यकारिणी का जल्द गठन हो।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

मिलकर प्रयास करें तो यमुना साफ हो जायेगी

यमुना की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त यमुना का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। क्या दिल्ली में कोई ऐसी जगह है जहाँ आपको यमुना का साफ पवित्र निर्मल जल दिखाई दे? क्योंकि जहाँ भी आप जाएंगे, हर जगह यमुना का पानी काला एवं झागभरा ही नजर आएगा। यमुना की साफ-सफाई के नाम पर कई हजार करोड़ रुपए बहा दिए गए हैं, लेकिन लगता है सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये। यही कारण है कि इस नदी में प्रदूषण की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है बल्कि साल-दर-साल पानी और गंदा व यमुना की स्थिति खराब ही हुई है। राजधानी दिल्ली की जनता केवल वायु प्रदूषण के कहर से ही नहीं जूझ ही रही है, बल्कि अब यमुना के जहरीले पानी ने भी मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। लम्बे समय से यमुना के पानी में अमोनिया की बढ़ी मात्रा ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। दिल्ली में यमुना में पानी में बर्फ के पिंडों की तरह झाग तैर रहे हैं। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण कई इलाकों में पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि यमुना में अमोनिया का स्तर बढ़ने और पानी के जहरीले होने की समस्या कोई आज की नहीं है। ऐसा पिछले कई सालों से देखा जा रहा है। दिल्ली का जीवन भी कभी यमुना से जुड़ा था, कभी यह दिल्ली यमुना के कारण ही बसी थी। यह एक इतिहास सम्मत तथ्य है कि राजधानी के रूप में दिल्ली के स्थान को यमुना के आकर्षक स्वरूप और पेयजल के लिए मीठे पानी की उपलब्धता के कारण चुना गया था। इतना ही नहीं, यमुना ने एक शहर के रूप में राजधानी के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लगभग सभी ऐतिहासिक विवरणों में दिल्ली के एक प्रमुख संसाधन के रूप में यमुना की सुंदरता, धार्मिक आस्था एवं शुद्ध पेयजल का उल्लेख है। लेकिन इस जीवनदायिनी यमुना को हमने अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ, गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग ने सबसे अधिक इसे प्रदूषित किया है। अगर यह इसी प्रकार चलता रहा तो एक दिन ऐसा आएगा जब दिल्ली की जनता को शुद्ध पानी नहीं मिलेगा। ज्यादा चिन्ताजनक है कि बीमारियों को पनपाने में यमुना का प्रदूषण मुख्य कारण होगा।

इस गंभीर होते यमुना के प्रदूषण एवं जहरीले होने के बावजूद कोई सार्थक एवं प्रभावी उपचार होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। लंबे समय से यह समस्या बनी रहने के बावजूद इसके समाधान का रास्ता निकालने को कोई तैयार नहीं है। बल्कि यमुना के नाम पर राजनीतिक दल जमकर राजनीति करते हैं, एक दूसरे दलों एवं पड़ोसी राज्य एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाकर अपनी जिम्मेदारी से पला झाड़ लेते हैं। यमुना के प्रदूषण के लिए दिल्ली सरकार पड़ोसी राज्यों- हरियाणा और उत्तर प्रदेश को इसका जिम्मेदार ठहरा रही है, तो दूसरी ओर ये राज्य इसके लिये दिल्ली सरकार की गलत नीतियों एवं उदासीनता को दोषी मानते हैं। कुल मिलाकर यमुना का यह संकट राजनीति के दुश्चक्र में उलझ कर रह गया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि यमुना प्रदूषण मुक्त कैसे हो? लगातार बढ़ता दिल्ली का जल संकट इन स्थितियों में कैसे समाधान पाये? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ोसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। हमें कुछ ऐसा करना होगा ताकि मरने के बाद स्वर्ग में रहने की बजाय मरने से पहले स्वर्ग रहे। विडम्बनापूर्ण त्रासदी है कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की औद्योगिक इकाइयों से जो अपशिष्ट और जहरीले रसायन निकलते हैं, उन्हें यमुना में छोड़ दिया जाता है। वैसे यह समस्या देश की तमाम छोटी-बड़ी नदियों के साथ है। नदियों के प्रति हमारा यह उपेक्षापूर्ण रवैया हमारी जीवनरक्षक नदियों को जहरीला बनाता रहा है। ये नदियां जिन शहरी इलाकों खासतौर से औद्योगिक शहरों से गुजरती हैं, वहां का अपशिष्ट इनमें बहा दिया जाता है। इसलिए आज ज्यादातर नदियां खतरनाक स्तर तक प्रदूषित हो चुकी हैं। दिल्ली की समस्या इसलिए ज्यादा गंभीर एवं घातक होती जा रही है कि एक यमुना ही तो है जो दिल्ली के लिये शुद्ध जल आपूर्ति का साधन है। दिल्ली में साफ पानी के स्त्रोत काफी कम हैं, ऐसे में यमुना नदी पर निर्भरता जरूरत से ज्यादा रहती है।

राजधानी दिल्ली में साफ पानी की बड़ी समस्या है। सिर्फ जगह बदलती है, लेकिन गंदे पानी की शिकायत सब जगह समान रूप से देखने-सुनने को मिल जाती है। इसकी एक बड़ी वजह यमुना नदी का वो गंदा पानी भी है जो समय के साथ ना सिर्फ और ज्यादा विषैला होता जा रहा है, बल्कि कई बीमारियों का कारण भी बन रहा है। यमुना में प्रदूषण का स्तर खतरनाक है और दिल्ली से आगे जा कर ये नदी मर जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी वजह है औद्योगिक प्रदूषण, बिना उपचार के कारखानों से निकले दूषित पानी को सीधे नदी में गिरा दिया जाना, यमुना किनारे बसी आबादी मल-मूत्र और गंदगी को सीधे नदी में बहा देती है। साथ ही धार्मिक वजहों के चलते तमाम मूर्तियों व अन्य अवशिष्ट पूजा सामग्री का नदी में विसर्जन करने की परम्परा। औद्योगिक प्रदूषण, मल-मूत्र और धार्मिक सामग्री का नदी में विसर्जन प्रदूषण की मुख्य वजह हैं, लेकिन इनमें सबसे खतरनाक है रासायनिक कचरा। ठंड के मौसम में यह समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है। ऐसे में यमुना को प्रदूषित होने से कैसे बचाया जा सकता है? यमुना की प्रदूषण-मुक्ति के लिये सरकार के साथ-साथ जन-जन को जागना होगा। सरकार की सख्ती एवं जागरूकता ज्यादा जरूरी है।

सांप्रदायिक चेहरे में बदलती कंगना रणौत

राजेंद्र राजन

गत वर्ष जब मुम्बई में शिव सेना सरकार के इशारे पर नगर निगम ने कंगना रणौत के स्टूडियो को तोड़ा था तो समस्त देश में इस अभिनेत्री के पक्ष में सहानुभूति की लहर देखने को मिली थी।

लेकिन कुछ समय बाद बाम्बे हाइकोर्ट ने कंगना के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें यह हिदायत भी दी थी कि वे अपनी बयानबाजी और बड़बोलेपन पर अंकुश लगाएं और स्वयं को संयम में रखें। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि कंगना को न तो न्यायपालिका की टिप्पणियों का सम्मान है, न ही महात्मा गांधी जैसे विश्व के महान व युगांतरकारी जननायक का। पद्मश्री से विभूषित होने के तुरंत बाद कंगना का यह कहना कि 1947 में देश को गांधी ने 'भीख' मांगकर आज़ाद करवाया था, अत्यंत शर्मनाक टिप्पणी है जिसकी अपेक्षा रानी झांसी का किरदार अदा करने वाली अभिनेत्री से कतई नहीं की जा सकती। यह विचारणीय है कि क्या कंगना पद्मश्री जैसे पुरस्कार की पात्र कलाकार है अथवा नहीं? कंगना ने यह भी कहा है कि सही मायने में देश 2014 के बाद आज़ाद हुआ है। कंगना के इस बेहूदा व अति निंदनीय बयान से देश भर में बवाल मचा हुआ है। हैरत इस बात की है कि भाजपा के शीर्ष नेता महात्मा गांधी को अपना आदर्श मानते हैं।

मोदी जी गांधी की प्रशंसा में बार-बार उत्साहित होकर उनके देश व समाज के प्रति बहुमूल्य योगदान का ज़िक्र करना नहीं भूलते। लेकिन यह कम खेदजनक नहीं है कि भाजपा या संघ के किसी भी बड़े नेता ने कंगना की महात्मा गांधी व स्वतंत्रता प्राप्ति में आजादी के दीवानों के खिलाफ टिप्पणी की भर्त्सना नहीं की है। केवल वरुण गांधी का बयान आया है जिसमें उन्होंने कहा है, 'कभी महात्मा गांधी जी के त्याग और तपस्या का अपमान, कभी उनके हत्यारे का सम्मान और अब शहीद मंगल पांडे से लेकर रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का तिरस्कार। इस सोच को मैं पागलपन कहूं या फिर देशद्रोह।' आम आदमी पार्टी की मुम्बई में नेत्री प्रीति ने मुम्बई पुलिस में अर्जी देकर कंगना के विरुद्ध देशद्रोह का मामला दायर करने को कहा है, धारा 504, 505 और 124-ए के तहत। शिव सेना की प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी भी कंगना के विरुद्ध मुखर हैं और उनके विरुद्ध देशद्रोह की कार्यवाही

चलाने की मांग की है। अगर किसी कांग्रेसी या आप पार्टी के नेता या किसी लेखक या बुद्धिजीवी ने महात्मा गांधी या देश की आज़ादी के विरुद्ध या फिर स्वतंत्रता सेनानियों के ख़िलाफ कथित देशद्रोही टिप्पणियां की होती तो भारत सरकार, भाजपा, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद या फिर संघ के लोग उसे पलक झपकते ही गिरफ्तार करवा देते और ऐसे लोग सलाखों के पीछे होते। देश हाल ही में भोपाल में बजरंग दल द्वारा फिल्म निर्देशक प्रकाश झा को अपमानित करने की घटना को नहीं भूला है। आज हम सब असहनशीलता की पराकाष्ठा के भयावह दौर में जी रहे हैं। चूंकि कंगना पूरी तरह भगवा रंग में डूबकर भाजपा और संघ का एजेंडा प्रोमोट कर रही हैं तो ये सभी लोग चुप्पी साधे हुए हैं। कंगना एक सैलिब्रिटी हैं और उनकी लोकप्रियता का गलत उपयोग या प्रयोग साम्प्रदायिक पार्टियां किस निर्लज्जता से कर रही हैं, उसकी पृष्ठभूमि में कंगना की गांधी और देश की आज़ादी के विरुद्ध बयान्बाजी ही है। कुछ समय पहले जब वे शिवसेना व उसके प्रमुख उद्धव ठाकरे के विरुद्ध आक्रामक हुई थीं तो भाजपा को बैठै बिठाए एक ऐसी सिने तारिका मिल गयीं जो शिव सेना के विरुद्ध आग उगल सकें।

और यही हुआ भी। वे भाजपा के 'हिडन एजेंडा' के प्रचार-प्रसार और शिव सेना के विरोध का मोहरा बनती चली गयीं। एक महिला होने के नाते उनके घर को तोड़े जाने के बाद वे सहानुभूति बटोरती चली गयीं। हिमाचल सरकार के मुख्यमंत्री की अनुशंसा पर कंगना को ज़ैड प्लस सुरक्षा प्रदान की गयी थी।

यानी पहले अपने विरुद्ध विवादों, विरोध व आलोचना का माहौल पैदा करो, फिर स्वयं को असुरक्षित घोषित करो और सुरक्षा के नाम पर सरकार को लाखों-करोड़ों की चपत। भारत में ईमानदारी से टैक्स अदा करने वाले लोगों के प्रति सरकारों की कोई जवाबदेही है या नहीं, इस प्रश्न का उत्तर शायद कभी नहीं मिलेगा। कंगना का यह कहना कि देश को 2014 के बाद सही आज़ादी नसीब हुई, दर्शाता है कि वे भाजपा व मोदी जी की कथित तौर पर अंधभक्त हैं और सत्ता को खुश करने के लिए आए रोज ऊल-जुलूल बयानबाजी कर रही हैं। समाज का शायद ही कोई ऐसा तबका हो जिसके विरुद्ध कंगना ने बेसिर-पैर की तर्कविहीन टिप्पणियां न की हों।

चूंकि वे सफल अभिनेत्री हैं और विवादों को जन्म देना कंगना का शौक है, इसलिए वे आए रोज़ मीडिया की सुर्खियां बटोरती रहती हैं। बेहतर होता अगर मीडिया में उनकी फिल्मों में किए गए अभिनय को लेकर चर्चा होती, न कि देश विरोधी बयानबाजी के लिए। लेकिन पब्लिसिटी में बने रहना भी एक रोग है जिसका शायद कोई इलाज नहीं है। ठीक वैसे ही जैसे कई छद्म लेखक छपास रोग से ग्रस्त रहते हैं, भले ही उनके लिखे को पाठक बार-बार नकराते रहें। 'एनिमल फार्म' और '1984' जैसे उपन्यासों के महान लेखक जार्ज ऑरवैल ने लेखकों व कलाकारों के बारे में महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी, 'सृजनकर्मियों यानी रचनाकरों व कलाकारों को राजनीति से दूर रहना चाहिए।

राजनीतिक विचारधारा को अंगीकार करने वाले क्रिएटिव लोग स्वयं का सर्वनाश कर बैठते हैं।' निश्चित रूप से कंगना रणौत एक कामयाब फिल्म स्टार हैं, लेकिन कभी किसानों के आंदोलन के ख़िलाफ तो कभी आज़ादी के परवानों के खिलाफ उनका बड़बोलापन छवि को किस कदर धूमिल कर रहा है, इसका अहसास तक शायद उन्हें नहीं है। कलाकार को उसकी प्रतिभा व निभाए जा रहे किरदारों के बलबूते दर्शक प्यार करते हैं। लेकिन वे कलाकार की पब्लिक लाइफ से भी प्रभावित होते हैं।

यानी कला के प्रदर्शन और जीवन में विरोधाभास हो तो उसे दर्शक ज्यादा देर पचा नहीं पाते। प्राण ने भले ही सैकड़ों फिल्मों में खलनायक की भूमिका अदा की हो, लेकिन वे निजी ज़िंदगी में एक निहायत नेक दिल इनसान थे जिनकी फैन फालोइंग करोड़ों में थी और आज भी बरकरार है। खेद का विषय है कि हिमाचल के भाजपा या कांग्रेस नेताओं ने कंगना के ताजा बयान का खास विरोध नहीं किया है, न ही यहां के लेखक व कलाकार ऐसे देशद्रोही बयानों के विरुद्ध मुखर हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि कंगना की ही तर्ज पर साम्प्रदायिक विचारधारा से लैस कलाकार अगर भविष्य में अपने-अपने घरों में गोडसे की मूर्तियां स्थापित कर लें तो शायद राजनेता उसका विरोध तक नहीं करेंगे?

रक्षा उत्पाद का उत्तर प्रदेश अध्याय

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

रक्षा सामग्री उत्पाद में आत्मनिर्भर अभियान आगे बढ़ रहा है। वर्तमान सरकार द्वारा इस संबंध में लिया गया संकल्प साकार हो रहा है। लखनऊ में निजी क्षेत्र की रक्षा कम्पनी का उद्घाटन राजनाथ सिंह ने किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ और उत्तर प्रदेश के उद्यमी को सभी आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर यूपीडीआईसी में पहली संचालित निजी क्षेत्र की रक्षा विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन किया। रक्षा विनिर्माण सुविधा विमान के इंजन, हेलीकॉप्टर इंजन, विमानों के लिए संरचनात्मक भागों,ड्रोन और यूएवी,पनडुब्बियों, अल्ट्रा लाइट आर्टिलरी गन, स्पेस लॉन्च व्हीकल और स्ट्रैटेजी सिस्टम आदि का निर्माण करेगी।

रक्षा मंत्री ने एक एकीकृत धातु निर्माण सुविधा की आधारशिला भी रखी। यह एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए टाइटेनियम और अन्य विदेशी मिश्र धातुओं में प्रमुख कच्चे माल का उत्पादन करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान का शुभारंभ किया था। यह अब प्रगति पर है। इसकी धमक दुनिया में दिखाई देने लगी है। कोरोना वैक्सीन का निर्माण आत्मनिर्भर अभियान की बानगी है। जिसके लिए सैकड़ों देश लाइन में हैं। इसी प्रकार रक्षा क्षेत्र में भी इस अभियान ने दुनिया का ध्यान आकृष्ट किया है। भारत अभी तक सामरिक हथियारों का सबसे बड़ा आयातक माना जाता था। अब चालीस से अधिक देशों को भारत सामरिक उत्पाद का निर्यात कर रहा है। अन्य क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत अनेक योजनाएं संचालित हो रही है। उत्तर प्रदेश के डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर से देश को रक्षा उत्पादन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और मेक इन इण्डिया को बढ़ावा देने में मदद मिल रही है। नरेन्द्र मोदी ने करीब तीन वर्ष पूर्व को लखनऊ में उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट का शुभारम्भ करते हुए उत्तर प्रदेश में एक डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर स्थापित किये जाने की घोषणा की थी।

रक्षा मंत्री ने एक एकीकृत धातु निर्माण सुविधा की आधारशिला भी रखी। यह एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए टाइटेनियम और अन्य विदेशी मिश्र धातुओं में प्रमुख कच्चे माल का उत्पादन करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान का शुभारंभ किया था। यह अब प्रगति पर है। इसकी धमक दुनिया में दिखाई देने लगी है। कोरोना वैक्सीन का निर्माण आत्मनिर्भर अभियान की बानगी है। जिसके लिए सैकड़ों देश लाइन में हैं। इसी प्रकार रक्षा क्षेत्र में भी इस अभियान ने दुनिया का ध्यान आकृष्ट किया है।

योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से इसमें व्यापक सफलता मिल रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में कहा कि ग्लोबल सिक्योरिटी कंसर्न,बार्डर डिस्प्यूट्स और मैरीटाइम डोमिनेंस के चलते दुनिया भर के देश आज अपनी सेना के मॉर्डनाइजेशन पर फोकस कर रहे हैं। ऐसे में सैन्य उपकरणों की डिमांड भी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट बताती हैं कि बीते वर्ष में वर्ल्ड मिलट्री स्पेंडिंग लगभग दो ट्रिलियन यूएस डॉलर पर पहुंच चुकी थी। डिफेंस रिलेटेड डॉमेस्टिक डिमांड में भी बढ़ोतरी होगी। भारत सुरक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश का विकास पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट सेक्टर के बीच समन्वय से हो सकता है। निजी क्षेत्र की अहमियत को समझते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आज से बीस साल पहले डिफेंस सेक्टर में प्राइवेट सेक्टर के सौ प्रतिशत प्रतिभागिता की व्यवस्था की थी। कास्टिंग और फोर्जिंग के क्षेत्र में जिन भारतीय कंपनियों ने दुनिया में बड़ा नाम कमाया है पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड उनमें से एक है। लखनऊ में जिस प्लांट का उद्घाटन हुआ है वह एयरोस्पेस और एयरोस्पेस में टाइटेनियम और निकिल के आलाय बनाने वाली पहली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है। भारत के अलावा अमेरिका, फिनलैंड,चीन,नॉर्वे व स्वीडन की बड़ी और प्रतिष्ठित कंपनियों को पीटीसी द्वारा अपने उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आज भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों को पूरा कर रहा था। पहले हम आयात पर ही निर्भर थे। रक्षा मंत्रालय द्वारा दो सौ से अधिक उत्पाद की सूची जारी की गई है। इन सभी का उत्पाद अब भारत में होगा।

इन्हें किसी भी सूरत में दुनिया के दूसरे दूर देशों से आयात नहीं किया जाएगा। फाइटर प्लेन, हेलीकॉप्टर,टैंक और पनडुब्बियों सहित के निर्माण के अवसर भी हमने मेगा डिफेंस प्रोग्राम तहत शुरू किए हैं। डीआरडीओ के माध्यम से निशुल्क ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी यूपी और तमिलनाडु के बीच में शुरू किया गया है। ट्रांसपोर्ट प्लेन सी का बाइस हज़ार करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट किया है। इनमें अधिकांश प्लेन हमारी इंडियन इंडस्ट्री के साथ मिलकर बनाए जाएंगे। विगत सात वर्षों में डिफेंस एक्सपोर्ट का अड़तीस हज़ार करोड़ का आंकड़ा पार कर गया है। दस हज़ार एमएसएमई का डिफेंस सेक्टर से जुड़ना प्रगति का उदाहरण है। एक समय था जब भारत रक्षा सामग्री का सबसे बड़ा आयातक था। इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का कोई विजन ही नहीं था। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने का बाद ही इस ओर ध्यान दिया। उनका कहना था कि भारत को हथियारों के उत्पाद में आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। इतना ही नहीं इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए भारत को हथियारों का निर्यातक भी बनाया जाएगा। इस संकल्प को पूरा करने का रोडमैप बनाया गया। उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया। परिणाम स्वरूप वर्तमान सरकार के कार्यकाल में भारत का रक्षा निर्यात तैतीस प्रतिशत बढ़ा है। भारत पचहत्तर देशों को रक्षा उत्पाद का निर्यात कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान की रक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है।

झगत वर्ष डीआरडीओ ने उद्योग के साथ सवा दो सौ लाइसेंस समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे। राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिगत यह कार्य अपरिहार्य थे। यूपीए सरकार ने इस जिम्मेदारी का निर्वाह नहीं किया। यहां तक कि राफेल डील को अंजाम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी यूपीए सरकार की थी। प्रधानमंत्री ने दो वर्ष पूर्व अमेठी में भारत-रूस के संयुक्त उपक्रम इण्डो रशियन राइफल्स प्रालि राष्ट्र को समर्पित किया था। प्रधानमंत्री ने ही तीन वर्ष पूर्व यूपी इन्वेस्टर्स समिट के शुभारम्भ अवसर पर प्रदेश में डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर की घोषणा की। प्रदेश सरकार ने इस डिफेंस कॉरिडोर के निर्माण के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर में निवेश प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश रक्षा तथा एयरोस्पेस इकाई एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति लागू की है

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पेट्रोल वाहनों पर कार्बन टैक्स लगे

भरत झुनझुनवाला

ग्लासगो में चल रहे सीओपी-26 पर्यावरण सम्मेलन में भारतीय वाहन निर्माताओं ने कहा है कि 2030 तक भारत में 70 फीसदी दोपहिया, 30 फीसदी कार और 15 फीसदी ट्रक बिजली से चलने वाले होंगे। यह सुखद सूचना है, लेकिन दुनिया की चाल को देखते हुए हम फिर भी पीछे ही हैं। नॉर्वे ने निर्णय किया है कि 2025 के बाद उनकी सड़कों पर एक भी पेट्रोल या डीजल का वाहन नहीं चलेगा। डेनमार्क और नीदरलैंड ने यही निर्णय 2030 से एवं इंग्लैंड और अमेरिका के राज्य कैलिफोर्निया ने यही निर्णय 2035 से लागू करने की घोषणा की है।

चीन में इस वर्ष की पहली तिमाही में 5 लाख बिजली के वाहन बिके हैं और यूरोप में 4.5 लाख। भारत अभी इस दौड़ में बहुत पीछे है और पहली तिमाही में हम केवल 70000 बिजली के वाहन बेच सके हैं। बिजली से चलने वाले वाहन आर्थिक एवं पर्यावरण, दोनों दृष्टि से लाभप्रद हैं। पेट्रोल से चलने वाले वाहन ईंधन की केवल 25 फीसदी ऊर्जा का ही उपयोग कर पाते हैं। शेष 75 फीसदी ऊर्जा इंजन को गर्म रखने अथवा बिना जले हुए कार्बन यानी धुंए के रूप में साइलेंसर से बाहर निकल जाती है। इसकी तुलना में बिजली के वाहन ज्यादा कुशल हैं। यदि उसी तेल से पहले बिजली बनाई जाए तो बिजली संयंत्र में तेल की लगभग 15 फीसदी ऊर्जा क्षय होती है। फिर इस बिजली को कार तक पहुंचाने में 5 फीसदी का क्षय होता है और कार स्वयं में बिजली से गाड़ी को चलाने में लगभग 20 फीसदी ऊर्जा का क्षय होता है। कुल 40 फीसदी ऊर्जा का क्षय होता है और बिजली की कार के माध्यम से हम तेल में निहित 60 फीसदी ऊर्जा का उपयोग कर पाते हैं। अतः पेट्रोल से चलने वाली कार जहां 25 फीसदी ऊर्जा का उपयोग करती है, वहीं बिजली से चलने वाली कार 60 फीसदी ऊर्जा का उपयोग करती है। अथवा यूं समझें कि उतने ही तेल से बिजली की कार से आप दूनी दूरी को तय कर सकते हैं।

इसलिए बिजली के वाहन पर्यावरण के लिए सुखद हैं। आर्थिक दृष्टि से भी ये लाभदायक हैं। आने वाले समय में बिजली के वाहन सस्ते हो जाएंगे। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के एक अध्ययन के अनुसार 2019 में पेट्रोल की कार का मूल्य 24000 अमेरिकी डॉलर था जो कि 2025 में बढ़कर 26000 डॉलर हो जाने का अनुमान है। इसके विपरीत 2019 में समतुल्य बिजली की कार का मूल्य 50000 डॉलर था जोकि 2025 में घटकर मात्र 18000 डॉलर हो जाएगा। अतः आने वाले समय में पेट्रोल की कार की तुलना में बिजली की कार सस्ती होगी। केंद्र सरकार बिजली वाहन को प्रोत्साहन देने के लिए लगभग 15000 रुपए

की सबसिडी देती है। कई राज्य सरकारों द्वारा भी अलग-अलग दर से बिजली की कार पर सबसिडी दी जा रही है।

विषय है कि बिजली की कार को बढ़ावा देने के लिए सबसिडी दी जाए अथवा पेट्रोल वाहनों पर अतिरिक्त टैक्स आरोपित किया जाए। यदि हम बिजली वाहन पर सबसिडी देते हैं तो उसका दाम कम होता है और पेट्रोल की तुलना में बिजली की कार खरीदना लाभप्रद हो जाता है। यही कार्य पेट्रोल कार पर टैक्स लगाकर हासिल किया जा सकता है। पेट्रोल वाहनों पर कार्बन टैक्स लगा दिया जाए तो पेट्रोल वाहन महंगे हो जाएंगे और पुनः उनकी तुलना में बिजली के वाहन सस्ते हो जाएंगे। दोनों नीतियों में अंतर यह है कि जब हम बिजली के वाहन पर सबसिडी देते हैं तो सबसिडी में दी गई रकम को हम जनता से किन्हीं अन्य स्थानों पर टैक्स के रूप में वसूल करते हैं। जैसे यदि बिजली की कार पर 15000 रुपए की सबसिडी दी गई तो देश के हर नागरिक को कपड़े पर एक पैसा प्रति मीटर अधिक टैक्स देना पड़ सकता है। नतीजा हुआ कि बिजली की कार चलाने वाले को सबसिडी मिलती है और उसका भार आम आदमी पर पड़ता है। इसके विपरीत यदि हम पेट्रोल की कार पर टैक्स लगाएं और पेट्रोल वाहन को महंगा करें तो टैक्स का भार सीधे उस व्यक्ति पर पड़ेगा जो पेट्रोल वाहन को चलाता है। जो व्यक्ति बिजली की कार चलाएगा उसे अतिरिक्त टैक्स नहीं देना होगा। इस प्रकार सबसिडी के माध्यम से बिजली वाहन को प्रोत्साहन देने का भार आम आदमी पर पड़ता है, जबकि कार्बन टैक्स के माध्यम से वही भार पेट्रोल कार का उपयोग करने वाले पर पड़ता है। मैं समझता हूं कि जो लोग पेट्रोल कार का उपयोग करते हैं, उन्हीं पर यह भार पड़ना चाहिए।

उनके द्वारा पेट्रोल की कार द्वारा किए गए पर्यावरण के नुक्सान का भार आम आदमी पर नहीं डालना चाहिए। इसलिए सरकार को सबसिडी के स्थान पर पेट्रोल वाहनों पर कार्बन टैक्स लगाने की पॉलिसी अपनानी चाहिए। दूसरा काम सरकार को बिजली वाहनों को चार्ज करने के लिए बिजली स्टेशन बड़ी संख्या में बनाने चाहिए, जिससे कि बिजली की कार खरीदने वाले के लिए यात्रा सुलभ हो जाए। तब अपने देश में खरीददार का रुझान बिजली की कार की तरफ आसानी से मुड़ेगा। तीसरा कार्य सरकार को बिजली के मूल्यों में दिन और रात में बदलाव करना चाहिए। यह नीति संपूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी और बिजली की कार के लिए विशष रूप से। सामान्य रूप से दिन में बिजली की मांग अधिक और रात में कम होती है। इस कारण अक्सर थर्मल बिजली संयंत्रों को रात्रि के समय अपने को बैकडाउन करना पड़ता है। यानी कि उस समय वे अपनी क्षमता का 60 फीसदी बिजली उत्पादन करते हैं। इससे बिजली के मूल्य में वृद्धि होती है।

यदि बिजली का दाम दिन में बढ़ाकर रात में कम कर दिया जाए तो बिजली की कार के मालिकों समेत कारखानों के लिए लाभप्रद हो जाएगा कि वह रात्रि के समय अपनी कार को चार्ज करें और कारखाने चलाएं। गृहिणी रात में वाशिंग मशीन से कपड़े धोएगी। गृह स्वामी रात के समय ट्यूबवेल चला कर पानी की टंकी भरेगा। तब रात्रि में बिजली की मांग बढ़ेगी जिससे कि थर्मल पावर स्टेशन को बैकडाउन नहीं करना पड़ेगा और बिजली के दाम में कमी आएगी। ऐसे बिजली के मीटर उपलब्ध हैं और दूसरे देशों में उपयोग में हैं जो समय के अनुसार बिजली की खपत का रिकॉर्ड रख लेते हैं। सुझाव है कि केवल सबसिडी देने से बिजली की कार का उपयोग देश में नहीं बढ़ेगा। हम चीन, यूरोप और कैलिफोर्निया से पीछे ही रहेंगे। अतः उपरोक्त नीतियों को सरकार को लागू करने पर विचार करना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

जमशेदजी की मूर्ति के नीचे काली पट्टी बांध क्यों बैठे स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ?

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का टाटा स्टील पर फूटा गुस्सा, मंत्री बन्ना गुप्ता ने टाटा स्टील पर लगाया भगवान बिरसा मुंडा के अपमान का आरोप

काली पट्टी बांध स्वास्थ्य मंत्री ने जताया विरोध

अपूर्वा शुक्ला.ओपन सर्च

राँची। झारखंड राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने मंगलवार को जमशेदपुर स्थित पोस्टल पार्क में लगे जमशेदजी नसरवानजी टाटा की प्रतिमा के पास मुंह पर काला कपड़ा बांध, हाथ में तख्ती लेकर प्रदर्शन किया।

मौन धरने पर बैठे मंत्री बन्ना गुप्ता के समर्थन में कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। दरअसल, 15 नवंबर को झारखंड राज्य के स्थापना दिवस के साथ साथ, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती भी मनाई जाती है। ज्ञात हो कि इस वर्ष केंद्र सरकार द्वारा 15 नवंबर को क्जनजातीय गौरव दिवसक्क घोषित किया गया है। झारखंड से लेकर मध्यप्रदेश तक, इसे धूम धाम से मनाया गया। जहां एक तरफ पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन किया, वहीं दूसरी ओर झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने इस दिन भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों के साथ साथ हाल ही पद्म पुरस्कार से सम्मानित मुकुंद नायक, मधु मंसूरी हंसमुख, शशधर आचार्य और छुटनी देवी को सम्मानित किया। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने बिरसानगर में स्थित धरती आबा बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर माल्यर्पण किया। साथ ही स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने धर्म और संस्कृति के रक्षक, जल, जंगल, जमीन पर अपने हक के लिए आवाज बुलंद करने वाले साहस व शौर्य का प्रतीक बताते हुए महान स्वतंत्रता सेनानी

धरती आबा बिरसा मुंडा जी को नमन किया और झारखंडवासियों को स्थापना दिवस के मौके पर बधाई भी दी। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने झारखण्ड स्थापना दिवस और भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के प्रति टाटा स्टील के रवैये को लेकर सवाल उठाया। मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि, भगवान बिरसा मुंडा सिर्फ झारखंड ही नही बल्कि पूरे भारतवर्ष के जननायक हैं। टाटा स्टील भगवान बिरसा मुंडा के ही समर्थकों के ज़मीन पर बसी है। मैं आक्रोशित नहीं हूं, बल्कि विनम्र प्रार्थना करता हूं भगवान बिरसा मुंडा का सम्मान टाटा स्टील को करना चाहिए। कटाक्ष करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि, टाटा स्टील के बगिया में बहुत सारे फूल हैं। बड़ा गुलदस्ता न सही, कम से कम सम्मान के दो पुष्प ही भगवान बिरसा मुंडा के चरण में टाटा स्टील को अर्पित करना चाहिए। अगले दिन यानी मंगलवार को मंत्री बन्ना गुप्ता बिस्टूपुर पोस्टल पार्क में स्थित जमशेदजी की प्रतिमा के समक्ष पहुंचे।

सर्वप्रथम उन्होंने टाटा जी की मूर्ति को पानी और गंगाजल से धोया। उसके बाद उन्होंने अगरबत्ती जला कर माल्यार्पण किया और प्रार्थना कर, तख्ती लेकर प्रतिमा के समीप मौन धरने पर बैठ गए। गुप्ता करीब एक घंटे अनशन पर बैठे। साथ ही उन्होंने गायत्री मंत्र का पाठ भी किया। तख्ती के ज़रिए क्या दिया संदेश! जिस तख्ती को लेकर मंत्री बन्ना गुप्ता मौन धरने पर बैठे, उस तख्ती पर लिखा था- भगवान बिरसा मुंडा का अपमान करने वाले टाटा स्टील के अधिकारियों को भगवान माफ करें। भगवान बिरसा मुंडा के जयंती पर टाटा स्टील कंपनी के बगीचे में दो फूल भी नहीं है भगवान बिरसा मुंडा के चरणों में चढ़ाने के लिए। जिसका मुझे बहुत दुख है।

भगवान टाटा स्टील के अधिकारियों को माफ करें। पहले भी दे चुके हैं आंदोलन करने की चेतावनी! बता दें कि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता पहले भी टाटा स्टील के खिलाफ आंदोलन करने की चेतावनी दे चुके हैं। गुप्ता ने टाटा कमिन्स और टाटा मोटर्स का मुख्यालय जमशेदपुर से पुणे (महाराष्ट्र) शिफ्ट करने को मुद्दा बनाते हुए विरोध करने की घोषणा रविवार को स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर की थी। हालांकि मंत्री बन्ना गुप्ता ने कंपनी प्रबंधन को फैसले पर पुनर्विचार करने का भी अनुरोध किया था।

एक नज़र

शराबबंदी पर बड़े फैसले की उम्मीद, सीबीएसई टर्म वन की परीक्षा शुरू

पटना (एजेंसी)। बिहार के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शराबबंदी को लेकर सबसे बड़ी समीक्षा बैठक करने वाले हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि इसमें वे सख्त फैसला ले सकते हैं। पुलिस महकमे में सीएम की बैठक को लेकर बेचैनी का माहौल है। कोविड टीकाकरण के दायरे में शत प्रतिशत लोगों को लाने के लिए बिहार में आज से घर-घर दस्तक अभियान शुरू हो रहा है। शराबबंदी को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार मंगलवार को सुबह 11 बजे से वृहद समीक्षा बैठक करेंगे। इस दौरान शराबबंदी को और सख्ती से लागू करने के उपाय तलाशे जाएंगे। बैठक में सभी मंत्रियों व अधिकारियों के साथ-साथ सारे जिलों के डीएम एवं एसपी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़ेंगे। स्वास्थ्य विभाग केंद्र के निर्देश पर टीकाकरण के अंतिम चरण में मंगलवार से घर-घर दस्तक अभियान शुरू कर रहा है। 18 हजार मेडिकल टीमें मंगलवार से घरों में जाकर लोगों का टीकाकरण करेंगी। इसका मकसद हर नागरिक को अनिवार्य रूप से कोविड का टीका लगाना है। सीबीएसई टर्म वन की परीक्षा आज से प्रारंभ सीबीएसई टर्म वन की परीक्षा मंगलवार से प्रारंभ हो जाएगी। बारहवीं की परीक्षा मंगलवार से प्रारंभ होगी। वहीं दसवीं की परीक्षा बुधवार से प्रारंभ होगी। परीक्षा के लिए राज्यभर में 570 केंद्र बनाए गए हैं। टर्म वन की परीक्षा में दो लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। टर्म वन की परीक्षा अगले चालीस दिनों तक चलेगी। फालोअप बेउर जेल में 20 महीने बाद मंगलवार को दोबारा से शुरू होगी मुलाकात की प्रक्रिया। जेल में बंद कैदी मिल सकेंगे स्वजनों से। जेल प्रशासन ने की है विशेष व्यवस्था। मुलाकात के लिए बनाए गए 32 काउंटर।

नामी आनलाइन शापिंग कंपनी बेच रही गांजा! कैट पटना ने कहा- करी पत्ता के नाम पर हो रही होम डिलेवरी

पटना (एजेंसी)। कंफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा है कि हाल ही में मध्य प्रदेश पुलिस की ओर से अमेजन के ई- कामर्स पोर्टल पर गांजा की बिक्री का खुलासा हुआ है। भिंड के एसपी मनोज कुमार सिंह की कार्रवाई के बाद यह मामला सामने आया है। हमारी मांग है कि इस पूरे प्रकरण की जांच में नारकोटिक्स ब्यूरो को भी शामिल किया जाए। कैट के बिहार अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने कहा है कि यह देश के लिए खतरा है। राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और देश के गृह मंत्री अमित शाह से हमारा आग्रह है कि मामले में त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। वर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस ने ग्वालियर स्थित अमेजन के गोदाम पर छापेमारी की थी। इस दौरान मारिजुआना के 380 पैकेट मिले थे, जिसे

करी पत्ता के रूप में बेचने की तैयारी थी। कैट के अध्यक्ष कमल नोपानी, महासचिव डाक्टर रमेश गांधी ने अमेजन के अधिकारियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा है कि अमेजन ने अपनी ई-कामर्स वेबसाइट से एक करोड़ रुपये से अधिक का गांजा बेचकर उस पर 66 प्रतिशत की दर से करीब 66 लाख रुपये का कमीशन अर्जित किया है। यह एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20बी का उल्लंघन है।

बिहार के पांच हजार से अधिक शिक्षकों पर लटकी कार्रवाई की तलवार, सरकार ने दिया है बड़ा आदेश

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 के दौरान प्रदेश के 5,667 विद्यालयों में जो शिक्षक अनुपस्थित रहे हैं, उनके वेतन से कटौती की जाएगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने बच्चों के मूल्यांकन सर्वे में अनुपस्थित रहे शिक्षकों की रिपोर्ट जिलों से मांगी है। 12 नवंबर को केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर यह सर्वेक्षण कराया गया था। इसमें 5,727 विद्यालयों में शामिल किया गया था, अपरिहार्य कारणों से 60 विद्यालय को सर्वे में शामिल नहीं किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा तैयार कराई गई जिलेवार रिपोर्ट में सर्वे से जुड़े विद्यालयों के एक लाख 70 हजार 875 बच्चे शामिल

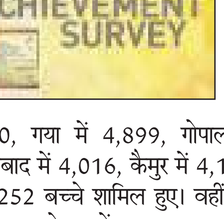

हुए हैं, जिनकी मूल्यांकन रिपोर्ट अप्रैल में केंद्र सरकार की ओर से जारी की जाएगी। जानकारी के अनुसार सर्वेक्षण में अररिया में 4,965, अरवल में 3,357, औरंगाबाद में 4,526, बांका में 4,131, बेगूसराय में 4,923, भागलपुर में 4,722, भोजपुर में 4,974, बक्सर में 4,839, दरभंगा में 4,820, गया में 4,899, गोपालगंज में 4,896, जमुई में 3,893, जहानाबाद में 4,016, कैमुर में 4,115, कटिहार में 4,372 और खगड़िया से 4,252 बच्चे शामिल हुए। वहीं, किशनगंज में 4,446, लखीसराय में 3,782, मधेपुरा में 3,688, मधुबनी में 5,086, मुंगेर में 4,149, मुजफ्फरपुर में 4,306, नालंदा में 5,378, नवादा में 3,838, पश्चिम चंपारण में 4,378, पूर्णिया में 4,590, पटना में 6,123, पूर्वी चंपारण में 4,378, रोहतास में 4,973, सहरसा में 4,306, समस्तीपुर में 4,603, सारण में 4,838, शेखपुरा में 3,468, शिवहर में 3,209, सीतामढ़ी में 5061, सिवान में 4,770, सुपौल में 4,456 और वैशाली में 4,352 बच्चे शामिल हुए। बता दें कि बिहार के 27 जिलों में कक्षा तीन, पांच, आठ और 10 के चयनित स्कूलों में शिक्षा विभाग एवं सीबीएसई की टीम ने सर्वे किया। NAS 2021 के लिए सभी चयनित स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

बिहार में 15 साल पहले पांच जिलों में बनाए गए थे हास्टल, सौंपे नहीं गए हो गए जर्जर

पटना (एजेंसी)। मामला करीब 15 वर्ष पुराना है। पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रस्ताव पर भवन निर्माण विभाग ने बांका, भोजपुर, बेगूसराय, कैमूर और मुंगेर में पिछड़ा वर्ग कल्याण छात्रावास का निर्माण किया। छात्रावास तो बने लेकिन, इन्हें पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को सौंपा नहीं जा सका। नतीजा समय के साथ भवन नए भवन जर्जर होते गए। इस पर महालेखा परीक्षक तक ने आपत्ति जताई। जिसके बाद अब कार्रवाई की तैयारी है। मुंगेर व बांका सहित पांच जिलों में मार्च 2006 से 2009 के बीच में पांच पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के छात्रावास भवनों का निर्माण भवन निर्माण विभाग ने किया। जिन्हें नियमों के मुताबिक संबंधित विभाग के सुपुर्द किया जाना था। लेकिन प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। नतीजा यह भवन बगैर छात्रों के रहे ही जीर्ण-शीर्ण हो गए। मामले पर महालेखा परीक्षक की नजर गई तो उसने आपत्ति दर्ज कराई और वजह जाननी चाही। इस वर्ष विकास आयुक्त ने विभाग की समीक्षा बैठक में छात्रावास निर्माण में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और भवन निर्माण विभाग के संबंधित दोषी पदाधिकारियों और कर्मचारियों के कारण पूछते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। जिसके बाद पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने भवन निर्माण विभाग के सचिव को एक पत्र भेज बांका, भोजपुर, बेगूसराय, कैमूर एवं मुंगेर जिलों में उस वक्त पदस्थापित कार्यपालक अभियंताओं के विरूद्ध कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

बिहार के कमजोर प्राइवेट स्कूलों के लिए अच्छी खबर

प्राइवेट खगड़िया में स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की हुई बैठक

खगड़िया (एजेंसी)। प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की विस्तारित बैठक इमानुएल हाईस्कूल के सभागार में आयोजित की गई। इस मौके पर एसोसिएशन के अधिकारियों और सदस्यों ने संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कहा कि बड़ी मुश्किल से कोरोना के बुरे दौर से निकले हैं। पठन-पाठन व्यवस्था को मजबूत किया जाए। संगठन का विस्तार करते हुए हक की लड़ाई जारी रखेंगे। अध्यक्षता एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष प्रभाकर प्रभात और संचालन जिला सचिव संजय भगत ने किया। इस मौके पर इमानुएल हाईस्कूल के निदेशक सह एसोसिएशन के संयुक्त सचिव एन. एंटोनी ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कोरोना काल में शिक्षा जगत को काफी नुकसान हुआ है। लेकिन धैर्य से इससे मुक्ति मिल रही है। कोरोना को एक दिन पूर्ण रूप से पराजित होना है। बैठक में ई- संवर्धन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के विषय में विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों से कहा गया कि रजिस्ट्रेशन संबंधित किसी भी तरह की कठिनाई होने पर जिला कार्यालय से संपर्क कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। एसोसिएशन द्वारा जिला स्तरीय ज्ञानवर्धक कार्यक्रम यथा भाषण प्रतियोगिता, खेलकूद

प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के आयोजन के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए एक कमेटी के निर्धारण का निर्णय लिया गया। प्राइवेट स्कूलों की वास्तविक स्थिति की समीक्षा करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रभाकर प्रभात ने कहा कि कोरोना काल के बाद यदि जिले के किसी विद्यालय में किसी तरह की कठिनाई विद्यालय संचालन में हो रही है, तो हमलोग वैसे विद्यालय को चिन्हित कर उसका उत्साहवर्धन करें। संचालन में सहयोग करें। इस पर उपस्थित सदस्यों की आम सहमति बनी। एसोसिएशन के संरक्षक डा. डीएस सिंह, उपाध्यक्ष रामशरण सहनी, कोषाध्यक्ष उदय कुमार पप्पू, संयुक्त सचिव शिव कुमार सुमन, जिला कार्यसमिति सदस्य मु. जाकिर हुसैन, अलौली प्रखंड अध्यक्ष डा. रणवीर कुमार, गोगरी प्रखंड अध्यक्ष विजय कुमार रंजन, सचिव अजय कुमार, चौथम प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र कुमार यादव, बेलदौर प्रखंड अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार, बेलदौर प्रखंड कोषाध्यक्ष मनोज कुमार, मानसी प्रखंड अध्यक्ष कुंदन कुमार, सचिव अमित कुमार पटेल, खगड़िया प्रखंड संयोजक विजय कुमार, सह संयोजक हरे राम सहनी, क्षेत्रीय अध्यक्ष राजकुमार चौरसिया, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुभाष कुमार गुप्ता, राम उदगार महतो, शिव शंकर प्रसाद, चंदन कुमार, केपी समदर्शी, मनोज कुमार आदि।

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज के रिश्तेदार की जमीन बेच दी

बिहार के शेखपुरा में जालसाजों ने किया बड़ा खेल

शेखपुरा (एजेंसी)। बिहार में जमीन से जुड़े फर्जीवाड़े ने आम लोगों के साथ ही सरकार को भी परेशान कर रखा है। सरकार का मानना है कि राज्य में अपराध की घटनाओं की बड़ी वजह भी जमीन विवाद ही हैं। न्यायालयों पर जमीन विवाद के कारण सिविल और क्रिमिनल दोनों तरह के मामलों का बोझ बढ़ रहा है। शेखपुरा में जालसाजों ने तो कमाल ही कर दिया है। यहां सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज के रिश्तेदार की जमीन ही बेच दी गई। जमीन की मालकिन महिला फिलहाल पटना में रहती हैं। उनकी काफी जमीन शेखपुरा में है। इस मामले को लेकर शेखपुरा थाना में आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज के निकट संबंधी से जुड़ा है। पुलिस ने बताया इस मामले में पटना कदमकुआं की रहने वाली फरीदा खातून ने मुश्तरी खातून, बहावउद्दीन तथा परवेज आलम सहित आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ शेखपुरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। फरीदा ने इन लोगों पर जालसाजी करके तथा दूसरे व्यक्ति को खड़ा करके फर्जी तरीके से शेखपुरा के

खोरमपुर मौजा की जमीन बेचने का आरोप लगाया है। फरीदा खातून शेखपुरा के कुंडा गांव निवासी तथा सुप्रीम कोर्ट से रिटायर्ड हुए जज आफताब आलम की निकट संबंधी हैं। खोरामपुर मौजा में फरीदा की फुआ हमीदा खातून के नाम काफी जमीन है। पिछले महीने मुश्तरी खातून, बहावउद्दीन तथा परवेज आलम ने फर्जीवाड़ा करके इनकी जमीन बेच दी है। इस मामले में शुरू में शेखपुरा रजिस्ट्री कचहरी में कुछ दिन तक दस्तावेज को रोका गया था। मगर कुछ दिन बाद उसकी रजिस्ट्री कर दी गई। इसको लेकर डीएम के पास भी शिकायत दर्ज कराई गई है। एसएचओ विनोद राम ने बताया यह मामला काफी गंभीर है, इसकी गहराई से जांच की जा रही है।

पत्नी से झगड़े के बाद इतना बढ़ गया गुस्सा कि उतारा मौत के घाट

बेटी जनने पर आया गुस्सा

बांका (एजेंसी)। बेटी जनने पर थाना क्षेत्र के महेशाडीह गांव में मंगलवार की सुबह एक दड़क्षरदे पति ने अपनी 30 वर्षीया पत्नी शिवानी देवी की खंती घोंप कर हत्या कर दी। इस मामले में आरोपित पति सुनील दास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार सुनील का अपनी पत्नी शिवानी देवी से बेटी जनने के कारण विवाद चल रहा था। मंगलवार सुबह भी दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। इसी बीच सुनील ने घर में रखे खंती से शिवानी के सिर पर प्रहार कर दिया। खंती शिवाजी के सिर के आरपार हो गया। जिसकी वजह से शिवानी की मौके पर ही मौत हो गई। इसी बीच शिवानी के मायके अमरपुर स्थित सिझुआ में किसी ने बेटी की हत्या की सूचना दे दी। इसके बाद मायके से पहुंचे लोगों के आने के बाद पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी हो शिवानी की दस वर्ष सुनील के साथ शादी हुई थी। समय गुजरने के साथ ही शिवानी को तीन पुत्री हुई। यही बात सुनील को पूरी तरह से नागवार गुजरा। सोमवार की रात को बेटी जनने पर सुनील के साथ पत्नी का विवाद हुआ था। लेकिन

समय रहते सब ठीक हो गया। मंगलवार की सुबह सुनील ने एक बार फिर से विवाद करना शुरू विवाद हुआ था। इसी बीच आवेश में आकर सुनील ने शिवानी की हत्या कर दी। इधर, मृतका के पिता परदेशी दास के बयान पर पति पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। थानाध्यक्ष शंभू यादव ने बताया कि पति द्वारा पत्नी की हत्या करने पर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कटोरिया प्रखंड क्षेत्र के मनिया पंचायत अंतर्गत परेवा गांव राय टोला में एक घर जलकर राख हो गया। आग लग जाने से लगभग 50 हजार की संपत्ति जलकर राख हो गई। पीड़ित गांव के शंभू राय बताया प्रदेश में मजदूरी करने गए हुए हैं। इधर घर पर पत्नी व बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि पीड़ित परिवार मिट्टी की दीवार व पुआल की छोनी से मकान बना हुआ था। जिसमें खाना बनाने के दौरान चूल्हे की चिंगारी से पुरा मकान आग की चपेट में आ गया। इसमें उनका सारा सामान जलकर राख हो गया। आग की लपटों को देखकर घर में मौजूद सभी लोग बाहर निकल आए। हो-हल्ला करने पर गांव सहित आस-पास के लोग दौड़ कर आए। जिसके बाद पानी देकर आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। घर में रखे बर्तन, कपड़ा अन्य सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

बिहार के इस पशु हास्टल में हर समाधान, फिक्र नहीं अगर घूमने का बनाया है प्लान

पटना (एजेंसी)। पशुओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर कोशिशें चल रही थीं, लेकिन फरवरी में बड़ी कामयाबी मिली। भारत सरकार ने चारा विधि को स्टार्टअप के रूप में चयन किया। 25 लाख रुपये की फंडिंग स्वीकृत हुई। इन्क्यूबेशन सेंटर के रूप में बिहार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी-सबौर से सानू कुमार व विवेक राजन को जोड़ा गया। अभी यह हास्टल भागलपुर में है। यहां 400 रुपये हर दिन के हिसाब से देकर दुधारू पशुओं को रखा जा सकता है। अगर पशुओं की खरीद -बिक्री करनी हो तो स्टार्टअप संस्था चारा विधि की मदद ली जा सकती है। अगर आपको कहीं घूमने जाना हो तो पशुओं को संस्था के हास्टल में छोड़ सकते हैं। अगर आपकी गाय या भैंस बच्चा देने वाली है और आप नहीं संभाल सकते हैं तो इमर्जेंसी वार्ड में भेज सकते हैं। जहां कहीं भी पशु मेला लगता है, वहां चारा विधि का

मेस भी चलता है। यहां से खल्ली, चुन्नी, सैलेज, सूखा व हरा चारा आदि की होम डिलीवरी ली जा सकती है। चारा और दवाओं की होम डिलीवरी मुफ्त की जाती है। चिकित्सक की सुविधा भी लिया जा सकता है। चारा विधि को भारत सरकार ने स्टार्टअप के रूप में चयन किया है। निदेशक सानू कुमार व विवेक राजन ने कहा कि 2020 से पशुओं की सभी सेवाएं एक छत के नीचे लाने की कोशिश कर रहे थे। फरवरी 2021 में स्टार्टअप के रूप में मान्यता मिली। इन्क्यूबेशन सेंटर के तौर पर बिहार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी -सबौर मिला है। 25 लाख रुपये की फंडिंग राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत की गई है। जहां मेस चल रहा है, वहां पशुओं के रहने की भी व्यवस्था है। सानू कुमार ने कहा कि किसानों के साथ बहुत लोग गाय रखते हैं। वह कहीं घूमने नहीं जा पाते क्योंकि पशुओं की देखरेख करने वाला कोई नहीं होता। ऐसे लोग हमारे भागलपुर स्थित हास्टल की सेवा ले सकते हैं।

जमालपुर, मुंगेर पंचायत चुनाव 2021:

मतगणना के बाद खूब गरजीं बंदूकें, दनादन चली गोलियां, गांव में दहशत

मुंगेर (एजेंसी)। सातवें चरण का मतदान संपन्न होने के बाद जमालपुर प्रखंड के बांक पंचायत में सोमवार की देर रात बंदूकें निकली और गरजीं भी। बादशाहत दिखाने के लिए दो पक्षों के बीच तीन दर्जन से ज्यादा राउंड तक गोलियां चली। हालांकि पुलिस 10 राउंड गोली चलने की बात कह रही है। इस घटना में निर्दोष महिला आंगनबाड़ी सेविका बबीता कुमारी को भी एक गोली लगी। महिला को देर रात ही इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला की हालत खतरे से बाहर है। मुफस्सिल पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया है। दरअसल, सोमवार को जमालपुर प्रखंड में पंचायत चुनाव का मतदान था। मतदान पूरी तरह से शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। सूत्रों की मानें तो बांक पंचायत में मतदान के दिन से ही चुनावी हिंसा की आशंका जताई जा रही थी। देर रात बांक पंचायत के मगड़ा पोखर के समीप दो पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई। गांव वालों की मानें तो दोनों पक्षों के बीच करीब 50 से ज्यादा गोलियां चली है। मुफस्सिल थानाध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने मंगरा पोखर में हुई गोलीबारी में सेविका को गोली लगने से इन्कार किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गोलीबारी की घटना दो पक्ष मुन्ना यादव उर्फ मुन्ना बिर और बादल यादव के बीच पुरानी रंजिश को लेकर दस राउंड गोलियां चली है। इससे पहले भी दोनों के बीच गोलीबारी की घटना हुई है। केस दर्ज कर बदमाशों की कानूनी कार्रवाई की कवायद चल रही है। गोलीबारी में घायल हुई महिला आंगनबाड़ी सेविका बबीता कुमारी ने बताया कि वह कमरे में सोई हुई थी। सोमवार की रात करीब 11.30 बजे गोली चलने की आवाज सुनकर छत पर गई थी।

हाजीपुर के केनरा बैंक में दो गार्ड के बीच विवाद में चली गोली, एक ग्राहक जख्मी, बैंक में अफरातफरी

बिदुपुर (वैशाली) (एजेंसी)। बिदुपुर थाना के चेचर गांव स्थित केनरा बैंक की शाखा में मंगलवार को पुराने और वर्तमान गार्ड के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। कहासुनी के बाद हुई दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मारपीट के क्रम में ही ड्यूटी गार्ड के गन से गोली चल गई जो बैंक में मौजूद तीन ग्राहकों को लग गई। घटना के बाद बैंक में अफरातफरी मच गई तथा बैंक में मौजूद कर्मी एवं ग्राहक इधर-उधर भागकर अपनी जान बचाई। बैंक में गोली चलने की सूचना पर आनन-फानन में मौके पर बिदुपुर थाना की पुलिस पहुंच गई और आरोपी गार्ड को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद पुलिस ने जख्मी ग्राहकों में एक गंभीर रूप से जख्मी ग्राहक को इलाज के लिए लेकर तत्काल बिदुपुर पीएचसी पहुंची जहां से प्राथमिक उपचार कराने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर चली गई। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। घटना के संबंध में मौके पर मौजूद ग्राहक ने बताया कि उक्त शाखा के पुराने रिटायर्ड गार्ड राघोपुर निवासी शिवचंद्र राय नाती के साथ अपने पर्सनल काम के लिए कई दिनों से बैंक आ-जा रहे थे। सोमवार को उन्हें ब्रांच मैनेजर आने को बोले थे लेकिन किसी काम की वजह से मैनेजर सोमवार को नही आ पाए। मंगलवार को फिर वह जब बैंक पहुंचा तब ग्राहक के समय के बीच मुख्य गेट बंद था। उसने ड्यूटी पर तैनात महनार निवासी

नए गार्ड राकेश कुमार सिंह को गेट खोलने को कहा। लेकिन गेट की चाबी उसके पास नहीं थी। उसने कहा कि वह गेट खोलने में असमर्थ है। इसको लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद पूर्व गार्ड और उसके साथ आए उसके नाती ने मारपीट शुरू कर दी। तीनों के बीच हो ही उठापटक के दौरान गार्ड के गन से अकस्मात गोली चल गई। इससे बैंक के तीन ग्राहक जुड़ावनपुर गांव निवासी अंजू कुमारी एवं अंशु देवी तथा कथौलिया गांव निवासी बिलट राय जख्मी हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि बैंकिंग सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर नए ब्रांच मैनेजर ने ग्राहकों के सीमित संख्या में बैंक में प्रवेश को लेकर गार्ड की जगह ब्रांच के फोर्थ ग्रेड ड्यूटी मैन को गेट की चाबी दी हुई है। अपने काम से पहुंचे पूर्व गार्ड को जब ड्यूटी गार्ड ने चाबी नहीं होने की जानकारी दी तब उसने समझा यह टाल रहा है या झूठ बोल कर अपमान कर रहा है। इसी वजह से वह आपा खो दिया जिस कारण मारपीट की नौबत आई और गोली चल गई। पुलिस ने ड्यूटी गार्ड राकेश सिंह को हिरासत में लिया है। सीसीटीवी फुटेज से भी पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष धनंजय कुमार पांडेय ने बताया कि इस मामले में गार्ड को हिरासत में लिया गया है। जख्मी व्यक्ति बिलट राय को उपचार के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर किया गया है।

सनराइजर्स का वार्नर को अंतिम एकादश से बाहर करना क्रिकेट से जुड़ा फैसला नहीं था: हैडिन

सिडनी (एजेंसी) सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच ब्रेड हैडिन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान डेविड वार्नर को अंतिम एकादश से बाहर करने के फैसले का क्रिकेट से जुड़े मामलों से कोई लेना देना नहीं था।

सनराइजर्स को अपनी अगुआई में 2016 में एकमात्र आईपीएल खिताब दिलाने वाले वार्नर से मई में कप्तानी छीन ली गई जबकि यूएई में इस लुभावने टी20 टूर्नामेंट के दूसरे चरण के दौरान उन्हें अंतिम एकादश से बाहर किया गया।

बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने हालांकि टी20 विश्व कप में शानदार वापसी की और उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वार्नर ने सेमीफाइनल तथा फाइनल में अहम पारियां खेली।

हैडिन ने 'ग्रेड क्रिकेटर्स पोडकास्ट' पर कहा, ''मैं आपको कह सकता हूं कि यह क्रिकेट से जुड़ा फैसला नहीं था कि वह (सनराइजर्स हैदराबाद के लिए) नहीं खेलेगा।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि डेविड के साथ एक चीज आपको महसूस करनी होगी कि वह खराब फॉर्म में नहीं था, उसके पास मैच अभ्यास की कमी थी।''

मई में टूर्नामेंट के बीच में ही आईपीएल को निलंबित किए जाने के बाद वार्नर ने आस्ट्रेलिया के बांग्लादेश और वेस्टइंडीज दौरे पर नहीं जाने का फैसला किया था और बिना कोई मैच खेले आईपीएल के दूसरे चरण में उतरे थे। हैडिन ने कहा, ''ब्रेक काफी लंबा था, वह बांग्लादेश या वेस्टइंडीज नहीं गया। लेकिन वह काफी अच्छी मानसिकता के साथ उतरा था। वह गेंद को अच्छी तरह हिट कर रहा था, हालात हमारे नियंत्रण में नहीं थे।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि वह खराब फॉर्म से गुजर रहा था। उसे सिर्फ मैच में कुछ समय बिताने की जरूरत थी , वह गेंद को काफी अच्छी तरह हिट कर रहा था। उसे लय दोबारा हासिल करने के लिए क्रीज पर कुछ समय बिताना था।'' आस्ट्रेलिया के अभ्यास मैचों में रन बनाने में नाकाम रहे 35 साल के वार्नर मुख्य टूर्नामेंट में लय हासिल करने में सफल रहे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में अर्धशतक सहित टूर्नामेंट में कुल 289 रन बनाए।

इंदिरा मैराथन में 1,000 से अधिक धावक हिस्सा लेंगे

प्रयागराज (एजेंसी) । पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के जन्म दिवस पर 19 नवंबर को यहां आयोजित होने वाली 36वीं अखिल भारतीय इंदिरा मैराथन में देशभर से 1,000 से अधिक धावक हिस्सा लेंगे। यहां मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में यह जानकारी देते हुए प्रयागराज के जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने संवाददाताओं को बताया कि इस मैराथन का उद्घाटन प्रदेश के खेल मंत्री उपेंद्र तिवारी आनंद भवन से करेंगे और समापन मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में होगा। खत्री ने बताया कि प्रथम मैराथन 1985 में कराई गई थी जिसमें स्वर्गीय राजीव गांधी के कर

कमलों से पुरस्कार वितरण किया गया था। पिछले वर्ष कोरोना की वजह से इंदिरा गांधी मैराथन का आयोजन नहीं हो सका था।

उन्होंने बताया कि इस मैराथन में भैरो सिंह लोने छह बार विजेता रहे हैं और लाल जी यादव, बीएस धोनी जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने मैराथन में हिस्सा लेकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। जिलाधिकारी ने बताया कि मैराथन के प्रथम पुरस्कार विजेता को दो लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार विजेता को एक लाख रुपये और तृतीय पुरस्कार विजेता को 75,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा, चौथे स्थान से लेकर 14वें स्थान पर रहने वाले धावकों को 10,000-10,000 रुपये का सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 42.195 किलोमीटर की मैराथन में महिला और पुरुष धावकों को अलग अलग वर्गों में पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इस मैराथन के लिए पंजीकरण 18 नवंबर को शाम 4 बजे तक कराया जा सकता है।

तरोताजा होने के लिये भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से हटा: बोल्ट

जयपुर (एजेंसी) । भारतीय टेस्ट बल्लेबाजों के लिये यह राहत की बात है उन्हें टेस्ट श्रृंखला में ट्रेंट बोल्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा क्योंकि यह तेज गेंदबाज 12 सप्ताह तक लगातार क्रिकेट खेलने के बाद तरोताजा होने के लिये टी20 श्रृंखला के बाद स्वदेश लौट जाएगा। बोल्ट तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिये अभी भारत में हैं लेकिन वह कोलकाता में सीमित ओवरों के आखिरी मैच के बाद स्वदेश लौट जाएंगे ताकि बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला से पूर्व तरोताजा हो सकें। बोल्ट ने 'न्यूजीलैंड क्रिकेट' द्वारा जारी वीडियो में कहा, ''विश्व कप बहुत बड़ा मंच है लेकिन भारत के खिलाफ भारत में खेलना संभवतः दूसरे नंबर पर है। मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ी निश्चित तौर पर इसके लिये तैयार हैं और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठा रहे हैं। विकेटों का

अच्छी तरह से अनुमान लगाना यहां महत्वपूर्ण होने जा रहा है।'' बोल्ट टी20 विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दूसरे चरण का हिस्सा भी थे। उन्होंने कहा कि वह न्यूजीलैंड में गर्मियों में होने वाली श्रृंखलाओं पर अपना ध्यान लगाये हुए हैं। उन्होंने कहा, ''हर कोई निश्चित तौर पर न्यूजीलैंड में गर्मियों के सत्र का इंतजार कर रहा है। मैं टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिये उत्सुक हूं। मैं पिछले 12 सप्ताह से बाहर हूं और न्यूजीलैंड में गर्मियों के सत्र से पहले तरोताजा होना चाहता हूं।'' बोल्ट ने कहा कि टी20 विश्व कप के फाइनल में आस्ट्रेलिया से मिली हार को पचा पाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, ''इस हार को पचा पाना अब भी मुश्किल है लेकिन जिंदगी इसी तरह से चलती है। हम होटल पहुंचे, अपना सामान तैयार किया, विमान में बैठे, जयपुर पहुंचे और अब फिर होटल में हैं।''

कीनिया ने विश्व कप क्वालीफायर का अंतिम मैच जीता

केपटाउन (एजेंसी) । कीनिया ने फीफा विश्व कप फुटबॉल के अपने अंतिम मैच में रवांडा को 2-1 से हराया जिससे संकट में फंसे राष्ट्रीय संघ ने कुछ राहत की सांस ली। नैरोबी में सोमवार को खेले गये मैच में माइकल ओलुंगा ने तीसरे मिनट में ही कीनिया को बढ़त दिला दी थी जबकि रिचर्ड ओडाडा ने पेनल्टी पर गोल करके टीम को 15 मिनट के अंदर 2-0 से आगे कर दिया। रवांडा की तरफ से एकमात्र गोल ओलिवियर नियोनजिमा ने किया। यह क्वालीफायर के छह मैचों में उनका केवल दूसरा गोल है। ये दोनों टीमें कतर में अगले साल होने वाले विश्व कप की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी हैं। माली ने ग्रुप ई में शीर्ष पर रहकर मार्च में होने वाले अंतिम प्लेऑफ मैचों के लिये क्वालीफाई किया है। कीनिया और रवांडा के बीच क्वालीफायर मैच से कुछ ही घंटे पहले कीनिया फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष निक म्वेन्डवा भ्रष्टाचार के संदेह में गिरफ्तार किये जाने के बाद अदालत में पेश हुए। पुलिस ने उनसे पूछा कि सरकार ने महासंघ को जो 60 लाख डालर दिये थे उन्हें कैसे खर्च किया गया। अफ्रीका से अभी तक माली, मिस्र, घाना, सेनेगल, मोरक्को और कांगो ने अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर प्लेऑफ में जगह बनायी है।

मेस्सी अर्जेंटीना बनाम ब्राजील मैच में खेलेंगे, नेमार नहीं

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। अर्जेंटीना जब फीफा विश्व कप फुटबॉल के

महत्वपूर्ण क्वालीफाईंग मैच में ब्राजील से भिड़ेगा तो लियोनेल मेस्सी मैदान पर उतरेंगे लेकिन बायीं जांघ में दर्द के कारण नेमार इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने सोमवार को कहा कि घुटने की चोट से परेशान मेस्सी सान जुआन में होने वाले मैच में खेलेंगे। इस मैच में जीत से अर्जेंटीना अगले साल कतर में होने वाले विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई कर लेगा। इसके कुछ घंटे बाद ब्राजील फुटबॉल परिसंघ ने बयान जारी करके कहा कि नेमार संभावित चोट को लेकर आशंकित हैं और इसलिए इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। ब्राजील पहले ही विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित कर चुका है। नेमार के दोस्त और प्रतिद्वंद्वी मेस्सी शुक्रवार को अर्जेंटीना की उरूग्वे पर 1-0 से जीत के दौरान केवल 15 मिनट तक ही खेल पाये थे। वह चोटिल होने के कारण पेरिस सेंट जर्मेन की तरफ से भी दो मैचों में नहीं खेल पाये थे।

जोकोविच की एटीपी फाइनल्स में शानदार शुरुआत

तूरिन (एजेंसी) । पांच बार के चौंपियन नोवाक जोकोविच ने कास्पर रूड को सीधे सेटों में 7-6 (4), 6-2 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। जोकोविच की निगाह सत्र की इस आखिरी प्रतियोगिता में छह खिताब जीतने के रोजर फेडरर के रिकार्ड की बराबरी करने पर टिकी है। इस प्रतियोगिता में चोटी के आठ खिलाड़ी भाग लेते हैं जिन्हें दो ग्रुप में बांटा जाता है। ग्रुप के एक अन्य मैच में आंद्रे रूबलेव ने 2018 के चौंपियन स्टेफनोस सिटसिपास को 6-4, 6-4 से पराजित किया। दानिल मेदवेदेव और अलेक्सांद्र जेवरेव ने रविवार को अन्य ग्रुप में अपने मैच जीते थे।

एशेज के लिये एक ही विमान से क्वीन्सलैंड पहुंचे इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी

ब्रिस्बेन (एजेंसी) । इंग्लैंड के विभिन्न प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों के लिये क्वीन्सलैंड की यात्रा बेहद दिलचस्प रही क्योंकि वे उसी विमान से यहां पहुंचे जिसमें टी20 विश्व चौंपियन और उनके चिर प्रतिद्वंद्वी आस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी सवार थे। क्रिकेट.कॉम.एयू के अनुसार जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टॉ, डाविड मलान, क्रिस वोक्स और मार्क वुड जैसे खिलाड़ी और इंग्लैंड की कोचिंग टीम के सदस्य एशेज श्रृंखला के लिये मंगलवार को चौंपियन आस्ट्रेलिया के साथ ही विशेष विमान से मंगलवार को यहां पहुंचे। दोनों टीमों के सदस्य गोल्ड कोस्ट में पृथकवास पर जाने से पहले कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करें, इसके लिये विशेष विमान की व्यवस्था की गयी थी।

दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया सही समय पर अपने चरम पर पहुंचा और उसने रविवार को न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार टी20 विश्व कप जीता। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक एथरटन ने आस्ट्रेलिया की जीत के बाद मजाकिया अंदाज में 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा था, ''क्रिकेटरों का एक समूह है जो इसका आनंद नहीं ले रहा होगा और वे एशेज में भाग लेने के लिये आस्ट्रेलिया जाने वाले इंग्लैंड खिलाड़ी हैं। यह विमान यात्रा दिलचस्प हो सकती है।'' आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने यह मानने से इन्कार कर दिया था कि एक ही उड़ान साझा करना असुविधाजनक होगा, लेकिन इंग्लैंड के मार्क वुड विश्व चौंपियन आस्ट्रेलियाई टीम के साथ उड़ान भरने की संभावना से ही असहज थे। हेजलवुड ने यात्रा से पहले कहा था, ''इसमें कोई परेशानी नहीं होगी। हमने उनके साथ बहुत सारी क्रिकेट खेली है दृ काउंटी क्रिकेट और आईपीएल। प्रत्येक एक दूसरे को जानता है, इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी।'' दूसरी तरफ वुड ने बीबीसी से कहा था, ''मैं उन्हें (आस्ट्रेलिया) जीतते हुए नहीं देख सकता। यह असहनीय होगा।'' उन्होंने कहा, ''आप उनकी आंखों में आंख डालकर बधाई तो दे सकते हैं लेकिन जब आप उनके खिलाफ एशेज श्रृंखला खेलने के लिये जा रहे हों तो आप नहीं चाहते कि वे आत्मविश्वास से भरे हों और वे आपके सामने ट्राफी लहरायें।'' दोनों टीमों के बीच पहला एशेज टेस्ट आठ दिसंबर से गाबा में शुरू होगा।

मेरी घड़ी की कीमत 1.50 करोड़ रुपये है, 5 करोड़ रुपये नहीं: हार्दिक पांड्या

मुंबई (एजेंसी) । क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने मंगलवार को अपनी घड़ी को लेकर तमाम अटकलों के बीच कहा कि टीम इंडिया के साथ सोमवार तड़के जब वह दुबई से मुंबई पहुंचे थे, तो उनके पास जो घड़ी थी, उसकी कीमत 5 करोड़ नहीं, बल्कि 1.50 करोड़ रुपये है।

पांड्या ने कुछ रिपोर्टें को गलत करार करते हुए कहा, सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों के अनुसार घड़ी की कीमत 1.50 करोड़ रुपये है, न कि 5 करोड़ रुपये। मीडिया के सिद्धांतों पर एक विस्तृत खंडन जारी करते हुए कि उनकी 5 करोड़ रुपये की घड़ी को कथित तौर पर सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा जब्त कर लिया गया था और उन्हें कथित तौर पर हिरासत में लिया गया था। इस पर सफाई देते हुए पांड्या ने कहा कि मुंबई हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क के लिए मेरे डिक्लेरेशन के बारे में सोशल मीडिया पर गलत धारणाएं चल रही हैं। 28 वर्षीय क्रिकेटर ने दावा किया कि 15 नवंबर की सुबह दुबई से यहां पहुंचने और अपना सामान लेने के बाद, वह अपने द्वारा लाए गए सामानों की घोषणा करने और अपेक्षित सीमा शुल्क का भुगतान करने के लिए मुंबई हवाई अड्डे के सीमा शुल्क काउंटर पर गए थे। पांड्या ने कहा, मैंने स्वेच्छा से उन सभी वस्तुओं की घोषणा की थी, जिन्हें मैंने दुबई से कानूनी रूप से खरीदा था और जो भी शुल्क चुकाने की जरूरत थी, उन्हें चुकाने के लिए पूरी तरह से तैयार था। किसी भी कानूनी सीमा को पार करने के मेरे खिलाफ सभी आरोप पूरी तरह से निराधार हैं। वास्तव में, क्रिकेटर ने तर्क दिया कि सीमा शुल्क विभाग ने उन्हें सभी खरीद दस्तावेज प्रदान करने के लिए कहा, जो उन्होंने जमा किए थे और अब वे उस शुल्क के लिए उचित मूल्यांकन कर रहे हैं जिसे उन्होंने पहले ही पुष्टि कर दी है कि वह भुगतान करेंगे। पांड्या ने कहा, मैं देश के कानून का पालन

करने वाला नागरिक हूं और सभी सरकारी एजेंसियों का सम्मान करता हूं। मुझे मुंबई सीमा शुल्क विभाग से पूरा सहयोग मिला है और मैंने उन्हें इस मामले को मंजूरी देने के लिए जो भी वैध दस्तावेज चाहिए, उनके साथ अपना पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे 7 ऑस्ट्रेलियाई शहर, मेलबर्न में 13 नवंबर को होगा फाइनल

दुबई (एजेंसी) । मेलबर्न, सिडनी, ब्रिस्बेन, पर्थ और एडीलेड सहित सात आस्ट्रेलियाई शहर अगले साल 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे। जिन दो अन्य शहरों में टूर्नामेंट के मैच

आयोजित किये जाएंगे उनमें जीलांग और होबार्ट शामिल हैं। इनमें हालांकि राउंड एक के मैच होने की संभावना है। फाइनल मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की विज्ञप्ति के अनुसार, ''अगले साल 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच होने वाले टूर्नामेंट में 45 मैच खेले जाएंगे जिनकी मेजबानी एडीलेड, ब्रिस्बेन, जीलांग, होबार्ट, मेलबर्न, पर्थ और सिडनी करेंगे।''

सेमीफाइनल सिडनी क्रिकेट ग्राउंड और एडीलेड ओवल में क्रमशः नौ और 10 नवंबर को खेले जाएंगे। जिन देशों ने सुपर 12 चरण के लिये सीधे क्वालीफाई किया है उनमें मौजूदा चौंपियन आस्ट्रेलिया और उप विजेता न्यूजीलैंड भी शामिल हैं।

उनके अलावा अफगानिस्तान, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ने भी सीधे सुपर 12 0में जगह बनायी है। नामीबिया, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और दो बार के चौंपियन वेस्टइंडीज को पहले चरण में खेलना होगा।

पहले चरण की चार अन्य टीमों का फैसला दो क्वालीफाईंग टूर्नामेंट से होगा। इनमें से पहला टूर्नामेंट फरवरी में ओमान में जबकि दूसरा जून दृ जुलाई में जिम्बाब्वे में खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता के प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा, ''हम आस्ट्रेलिया में आईसीसी प्रतियोगिताओं की वापसी को लेकर उत्साहित हैं और पुरुष टी20 विश्व कप 2022 के लिये सात मेजबान शहरों की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं।

भारत के खिलाफटी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को लगा झटका, बाहर हुए केन विलियमसन

जयपुर (एजेंसी) । भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को मंगलवार को बड़ा झटका लगा है। कप्तान केन विलियमसन टेस्ट सीरीज की

तैयारियों का हवाला देकर टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। बता दें कि पहला टेस्ट 25 नवंबर को कानपुर और दूसरा टेस्ट 3 दिसंबर को मुंबई में शुरू होगा।

दुबई में टी20 विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के 24 घंटे से भी कम समय में विलियमसन की अगुवाई वाली टीम भारत दौरे के लिए सोमवार को जयपुर पहुंची।

यहां, बुधवार को टी20 सीरीज का पहला, उसके बाद शुक्रवार (19 नवंबर) को दूसरा और रविवार (21 नवंबर) को तीसरा मैच खेला जाएगा।

हालांकि विलियमसन ने टेस्ट टीम में शामिल होने का निर्णय लिया हैं, जो पहले से ही जयपुर में अभ्यास सत्र में भाग लेंगे क्योंकि वो लाल गेंद से होने वाले मैचों पर ध्यान लगा रहे हैं। विलियमसन ने टी20 विश्व कप के दौरान अपनी कोहनी की चोट के बारे में भी बात की, जो उनके लिए थोड़ी परेशानी रही है और वह नेट्स में ध्यान से अभ्यास कर रहे हैं। टी20 विश्व कप की अगुवाई में अभ्यास के दौरान यह चोट और बढ़ गई थी। फिर भी, कीवी कप्तान ने टूर्नामेंट के दौरान बेतहरीन प्रदर्शन किया था। इस दौरे पर न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी टी20 सीरीज में टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स और मिशेल सेंटनर भी दोनों सीरीज के लिए उपलब्ध हैं।

न्यूजीलैंड टी20 टीमः टॉड एस्टल, ट्रेंट बोल्ट, मार्क चौपमैन, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गुप्टिल, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्सय मिशेल सेंटनर, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ईश सोढ़ी और टिम साउदी (कप्तान)। न्यूजीलैंड टेस्ट टीमः केन विलियमसन (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), काइल जैमीसन, टॉम लाथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, विल सोमरविले, टिम साउदी, रॉस टेलर, नील वैगनर और विल यंग।

कुलदीप यादव ने सफल सर्जरी के बाद फिटनेस के लिए शुरू किया अभ्यास

मुंबई (एजेंसी) । भारत के क्रिकेटर कुलदीप यादव ने घुटने की सफल सर्जरी के बाद फिटनेस के लिए फिर से अभ्यास शुरू कर दिया है। चोट की वजह से वह आईपीएल 2021 के दूसरे फेज से बाहर हो गए थे और अब भारतीय टीम में वापसी के लिए तैयारी कर रहे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रतिनिधित्व करने वाले कुलदीप को इस साल आईपीएल के दूसरे फेस में यूएई से स्वदेश वापस लौटना पड़ा था, क्योंकि उन्हें अभ्यास के दौरान घुटने में चोट लग गई थी।

मंगलवार को स्पिनर ने सोशल मीडिया पर अपने अभ्यास सत्र की तस्वीरें पोस्ट करते हुए ट्वीट पर कहा, एक और दिन करीब आया। कुलदीप ने सितंबर के अंतिम सप्ताह में घुटने की सफल सर्जरी करवाई थी और आईपीएल 2021 में अबू धाबी में केकेआर बायो-बबल छोड़ने के बाद उन्होंने इसको लेकर ट्विटर पर अपडेट किया था। यह संभावना नहीं है कि कुलदीप 30 अक्टूबर को घरेलू टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते हुए नजर आ सकते हैं।

उम्मीद है लंबे समय तक बायो-बबल में नहीं खेलना पड़ेगा: साउदी

जयपुर (एजेंसी) । न्यूजीलैंड के कार्यवाहक कप्तान टिम साउदी का मानना है कि बायो बबल में लंबा समय बिताने से क्रिकेटरों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है और उम्मीद जतायी कि उन्हें लंबे समय तक जैव सुरक्षित वातावरण में नहीं खेलना पड़ेगा। न्यूजीलैंड की टीम को दुबई में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्व कप का फाइनल खेलने के 72 घंटे बाद भारत में तीन मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेलनी है जो पांच दिन के अंदर समाप्त होगी।

साउदी सितंबर में आईपीएल के दूसरे चरण के शुरू होने से ही बायो बबल में हैं। उन्होंने कहा कि कोविड काल में कार्यक्रम तैयार करना उनके नियंत्रण से बाहर है लेकिन इसका खिलाड़ियों पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, ''पिछले दो वर्षों में दुनिया में जो कुछ हुआ उससे बायो बबल और पृथकवास के साथ चीजें काफी मुश्किल बन गयी हैं और कुछ समय बाद इसका असर देखने को मिलता है।''

साउदी भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिये भी टीम के साथ बने रहेंगे जबकि नयी गेंद के उनके जोड़ीदार ट्रेंट बोल्ट टी20 श्रृंखला के बाद स्वदेश लौट जाएंगे। साउदी ने कहा, ''हम नहीं

जानते कि भविष्य में क्या होने वाला है। हमें बायो बबल में रहकर खेलना जारी रखना होगा या नहीं और मुझे लगता है कि पृथकवास नियम के कारण आप पर अधिक दबाव बनता है।'' कप्तान केन विलियमसन को टेस्ट श्रृंखला से पहले विश्राम दिया गया है। टी20 श्रृंखला में उनकी जगह साउदी टीम की अगुवाई करेंगे। साउदी जानते हैं कि कुछ चीजें उनके नियंत्रण से बाहर की हैं। उन्होंने कहा, ''इसलिए यह ऐसा कुछ है जिस पर हम नियंत्रण नहीं कर सकते।

हमें इसकी आदत डालकर इसके अनुकूल होना चाहिए लेकिन इसका असर पड़ता है। मैं कुछ ऐसे खिलाड़ियों को जानता हूं जो लंबे समय से बायो बबल में रहे हैं और कुछ समय बाद उन पर इसका प्रभाव पड़ा। उम्मीद है कि हमें लंबे समय तक बायो बबल में रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी।'' इस तेज गेंदबाज ने कहा कि पूरी श्रृंखला के दौरान खिलाड़ियों के कार्यभार पर अच्छी तरह से गौर किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हां, यह ऐसा कुछ है जिस पर हमें गौर करना होगा। पांच दिन के अंदर तीन मैच खेलना और इस बीच यात्रा करना और फिर दो दिन के बाद हम टेस्ट श्रृंखला खेलेंगे।'' साउदी ने कहा, ''पूरे दौरे के दौरान खिलाड़ियों के कार्यभार पर गौर किया जाएगा। हमारे पास वे 15 खिलाड़ी भी हैं जो विश्व कप टीम में शामिल थे और मुझे लगता है कि उनका भी पूरी श्रृंखला में उपयोग किया जाएगा।

राजकुमार राव-भूमि पेडनेकर की 'बधाई दो' की आई नई रिलीज डेट, अब जनवरी में नहीं आएगी फिल्म

पिछले काफी समय से राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'बधाई दो' काफी चर्चा में है। इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। लेकिन अब इस फिल्म के लिए दर्शकों का इंतजार थोड़ा सा बढ़ने वाला है। अब यह फिल्म जनवरी 2022 के गणतंत्र दिवस के वीकेंड पर रिलीज नहीं होगी। जंगली पिक्चर्स के प्रॉडक्शन तले और हर्षवर्धन कुलकर्णी के डायरेक्शन में बन रही 'बधाई दो' को पहले 28

जनवरी 2022 को रिलीज किया जा रहा था। मगर अब इसकी रिलीज को एक हफ्ते आगे खिसका दिया गया है। अब 'बधाई दो' 4 फरवरी 2022 को रिलीज होगी। जंगली पिक्चर्स के सोशल मीडिया हैंडल से यह जानकारी दी गई है। इस पोस्ट में लिखा गया, 'रिलीज शेड्यूल में बदलाव के कारण बधाई दो की रिलीज डेट 4 फरवरी 2022 कर दी गई है। अब यह फिल्म प्यार के महीने में आ रही है और इससे अच्छा तरीका महीने की शुरूआत का हो ही नहीं सकता।' बता दें कि फिल्म में राजकुमार राव एक महिला पुलिस थाने के पुलिस अधिकारी की भूमिका में जबकि भूमि पेडनेकर एक स्कूल की पीटी टीचर की भूमिका में नजर आएंगी। इन दोनों के अलावा सीमा पहवा, शीबा चड्ढा, लवलीन मिश्रा, नीतेश पांडे और शशि भूषण जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई सुपरहिट नैशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म 'बधाई हो' का सीक्वल है। हालांकि इस फिल्म की कहानी और कलाकार बिल्कुल अलग होने वाले हैं। 'बधाई हो' में आयुष्मान खुराना, सान्या मल्होत्रा, गजराज राव, नीना गुप्ता और सुरेखा सीकरी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। **(एजेंसी)**

दक्षिण भारतीय फिल्म चौंबर ऑफ कॉमर्स ने किया सूर्या का समर्थन

अभिनेता और निमार्ता सूर्या के समर्थन में दक्षिण भारतीय फिल्म चौंबर ऑफ कॉमर्स ने सोमवार को पीएमके नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास को उनकी फिल्म जय भीम को लेकर अभिनेता की आलोचना करने से परहेज करने को कहा। रामदास को लिखे एक पत्र में, दक्षिण भारतीय फिल्म चौंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष कटरागड्डा प्रसाद ने लिखा कि सूर्या ने तमिल फिल्म जय भीम से एक प्रतीक को हटाने के उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। प्रसाद ने कहा कि आपकी भावनाओं का सम्मान करते हुए हमारे सदस्य सूर्या ने फिल्म से उस चिन्ह को तुरंत हटा दिया है। चौंबर के अध्यक्ष ने कहा कि दक्षिण भारतीय फिल्म चौंबर ऑफ कॉमर्स इस तथ्य से दुखी है कि आपकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का न ही अभिनेता से और न ही फिल्म में उस प्रतीक का उपयोग करने के फैसले से कोई लेना-देना है। इसके बावजूद भी आप सूर्या की आलोचना कर रहे हैं। प्रसाद ने कहा कि सूर्या की कोई राजनीतिक, जाति या धार्मिक संबद्धता नहीं है। वे एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार परोपकारी व्यक्ति है। शिक्षा के क्षेत्र में, विशेष रूप से समाज के छात्रों के लिए आशा की किरण है। रामदास को आलोचना करने से बचना चाहिए। **(एजेंसी)**

जीवी प्रकाश की बैचलर को मिली रिलीज डेट, जेल को मिला यूए सर्टीफिकेट

संगीत निर्देशक और अभिनेता जी.वी. प्रकाश को खुश होने की दो वजहें मिल गई है। इसकी वजह ये है कि उनकी दो बहुप्रतीक्षित फिल्में जल्द ही रिलीज होने वाली हैं। सोमवार को, निर्देशक वसंत बालन की जेल की टीम, जो गरीबों की कठिनाइयों से निपटती है, उसने घोषणा की है कि फिल्म को यू/ए प्रमाणपत्र दिया गया है और वे जल्द ही फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा करेंगे। साथ ही, खबर आई कि रोमांटिक ड्रामा, बैचलर, जिसमें प्रकाश और न्यू कमर दिव्या भारती मुख्य भूमिका में हैं, 3 दिसंबर को रिलीज होगी। जेल में, प्रकाश ने कर्ण की भूमिका निभाई है, जो एक युवा है, जिसने अभी-अभी स्कूल खत्म किया है और वह कॉलेज में नहीं गया है। पुनर्वास कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के जीवन से संबंधित इस फिल्म पर अभिनेता बड़ा दांव लगा रहे हैं। सोमवार को, अभिनेता ने दोनों समाचारों को ट्विटर पर साझा किया। सतीश सेल्वाकुमार द्वारा निर्देशित बैचलर की रिलीज की तारीख को पोस्ट करते हुए उन्होंने जेल के लिए लिखा, जेल को यू/ए के साथ सेंसर किया गया है और इसे बड़ी सराहना मिली रिलीज की तारीख की घोषणा जल्द ही होगी।

बंटी और बबली 2 के लिए सैफ ने ली डिक्शन ट्रेनिंग

अभिनेता सैफ अली खान ने साझा किया है कि उन्होंने बंटी और बबली 2 के लिए अपने किरदार को मजेदार बनाने के लिए दो महीने तक डिक्शन ट्रेनिंग की है। सैफ ने कहा कि मैं हमेशा से भारत की अलग अलग जगह पर मोहित रहा हूं। इन जगहों से जो पात्र निकलते हैं, वे प्यारे, दिलचस्प, बहुस्तरीय और सबसे

महत्वपूर्ण रूप से काफी वास्तविक होते हैं। मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे ऐसी परियोजनाओं में सफलता मिली है, जिनमें ओंकारा, आरक्षण और यहां तक कि तांडव भी शामिल है। मुझे उम्मीद है कि लोग बंटी और बबली 2 में मेरे प्रयास को पसंद करेंगे, जिसमें मैं एक ऐसे चोर की भूमिका निभाई है, जो चोरी करना छोड़ चुका है। उन्होंने आगे कहा कि मैं हमेशा एक चुनौती के लिए तैयार रहता हूं। लोगों को मेरा किरदार पसंद आ रहा है। वह जानना चाहते है कि मैं फिल्म में बंटी के रूप में कैसे ढला हूं, यह मेरे लिए बहुत बड़ी तारीफ है। मैंने फिल्म के लिए उच्चारण पर बहुत काम किया है। मैं हमेशा अपने किरदार में उतरना चाहता था, इसलिए बंटी और बबली 2 के लिए मैंने डिक्शन ट्रेनिंग ली। उन्होंने कहा कि मैं अपने द्वारा चुनी गई हर परियोजना से लोगों को आश्चर्यचकित करना चाहता हूं और मुझे खुशी है कि लोग फिल्म देखने के लिए उत्साहित हैं यशराज फिल्म्स की बंटी और बबली 2 19 नवंबर को रिलीज होगी। इसका निर्देशन वरुण वी. शर्मा ने किया है। **(एजेंसी)**

मानुषी छिल्लर

बोली पृथ्वीराज पर मेरा इससे बड़ा डेब्यू नहीं हो सकता

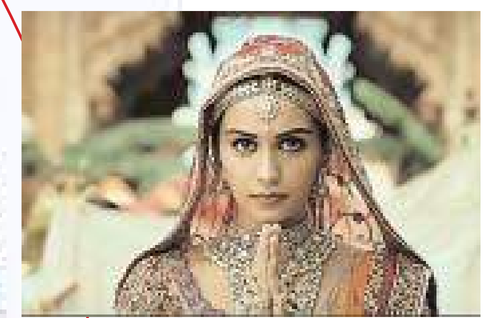

यशराज फिल्म्स के पहले ऐतिहासिक महाकाव्य एक्शन ड्रामा पृथ्वीराज का हाल में ही टीजर रिलीज किया गया है। फिल्म के इस टीजर ने सभी का दिल जीत लिया है। निडर और पराक्रमी राजपूत राजा पृथ्वीराज चौहान के जीवन और वीरता पर आधारित फिल्म में अक्षय कुमार पृथ्वीराज और मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर राजकुमारी संयोगिता की मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। अभिनेत्री अपने डेब्यू को लेकर काफी उत्साहित है। मानुषी ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं यशराज और मेरे निर्देशक डॉ चंद्रप्रकाश द्विवेदी की सदा आभारी रहूंगी कि उन्होंने मुझ पर न केवल विश्वास किया बल्कि मुझे विश्वास दिलाया कि मैं राजकुमारी संयोगिता की भूमिका निभा सकती हूं। मैंने इससे बड़ा डेब्यू नहीं कर सकती थी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, मानुषी कहती हैं कि उनका जीवन, उनके मूल्य, उनका लचीलापन, उनका साहस, उन्हें दिग्गज बनता हैं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे तैयारी की प्रक्रिया में उनके बारे में बहुत कुछ पता चला। मुझे उम्मीद है कि मैंने उनके साथ न्याय किया है। मैंने इस फिल्म के लिए अपना सबकुछ दिया हैं और मुझे उम्मीद है कि लोगों को बड़े पर्दे पर इस तरह के एक प्रतिष्ठित वास्तविक जीवन की भूमिका निभाने का मेरा प्रयास पसंद आएगा। मैं बहुत आभारी हूं कि मेरे पास समर्थन के स्तंभ के रूप में पूरी शूटिंग के दौरान अक्षय सर थे। उनकी कार्यशैली, काम के प्रति उनका समर्पण मेरे लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि मैं पृथ्वीराज के बारे में, मैं बेहद सकारात्मक हूं और मुझे पता है कि यह दुनिया भर के दर्शकों को प्रतिष्ठित प्रेम, महान वीरता और अदम्य साहस की कहानी के साथ मनोरंजन कराएगी। मुझे आशा है कि मैं मेरे काम से मेरे परिवार को गौरवान्वित करूंगी। मैं उनकी प्रतिक्रिया का इंतजार कर रही हूं। यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित, चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित फिल्म पृथ्वीराज में संजय दत्त और सोनू सूद भी हैं। **(एजेंसी)**

फिल्म उद्योग के कार्यकर्ताओं ने सूर्यवंशी की सफलता के लिए रोहित शेट्टी को किया सम्मानित

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ अभिनीत फिल्म सूर्यवंशी की सफलता के लिए शुक्रवार को निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी को सम्मानित किया। कोविड -19 लहर के बीच भी फेडरेशन ने फिल्म उद्योग के श्रमिकों को निरंतर समर्थन देने के लिए भी शेट्टी की सराहना की। फेडरेशन फिल्म और टेलीविजन कर्मचारियों के 31 संघों का प्रतिनिधित्व करता है।

महासंघ के अनुसार सूर्यवंशी ने उद्योग को उम्मीद दी है कि दर्शक सिनेमाघरों में वापस आ रहे हैं। सम्मान समारोह में वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर ने भाग लिया, जिन्होंने कहा कि मेरी बहन कहा करती थी कि जब भी कोई समस्या होती है तो एक मसीहा हमेशा आता है। आज, रोहित शेट्टी ने अपनी फिल्म को पहले सिनेमाघरों में रिलीज करके उद्योग को रास्ता दिखाया है। एफडब्ल्यूआईसीई के अध्यक्ष बी.एन. तिवारी ने कहा कि रोहित शेट्टी और उनकी टीम हमेशा सिने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी रही है, इसलिए हमने उन्हें सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया है। वह न केवल एक निर्देशक बल्कि एक फाइटर भी हैं। वह हमेशा कार्यकर्ताओं के साथ रहे है। लॉकडाउन में हर समय उनकी मदद की है। रोहित शेट्टी ने फिल्म उद्योग से जुड़े महासंघ के पदाधिकारियों और तकनीशियनों को धन्यवाद दिया। **(एजेंसी)**

मैंने उससे शादी की, जो मेरे लिए मेरा सबकुछ है: राजकुमार राव

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और पत्रलेखा एक दशक से अधिक समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद अब शादी के बंधन में बध गए हैं। दोनों लवबर्डस सोमवार को चंडीगढ़ में शादी के बंधन में बंधे। राजकुमार ने कहा कि उन्होंने उससे शादी की, जो उनके लिए सबकुछ है। अभिनेता ने सोमवार शाम को शादी की रस्में होने के बाद इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की। अपनी शादी की तस्वीरें साझा करते हुए, जिसे वर्तमान में फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर 2.2 मिलियन लाइक्स

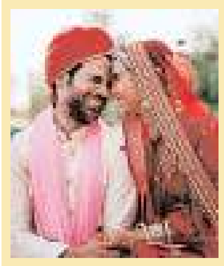

हैं, राजकुमार ने लिखा कि आखिरकार 11 साल के प्यार, रोमांस, दोस्ती और मस्ती के बाद, मैंने आज अपनी मेरी आत्मा, मेरी सबसे अच्छी दोस्त, जो मेरा परिवार है, उससे शादी कर ली है। आज मेरे लिए आपका पति (पत्रलेखा) कहलाने से बड़ी कोई खुशी नहीं है। पत्रलेखा ने भी शादी की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने भी लिखा कि मैंने आज मेरे प्रेमी, मेरे क्राइम पार्टनर, मेरा परिवार, मेरे साथी से शादी कर ली है। राज पिछले 11 सालों से मेरा सबसे अच्छा दोस्त! हमेशा के लिए आपकी पत्नी कहलाने से बड़ी कोई खुशी नहीं है। यह कपल 11 साल से रिलेशनशिप में है। हाल ही में, राजकुमार का पत्रलेखा को प्रपोज करते हुए, एक वीडियो वायरल हुआ था। इस महीने शादी के बंधन में बंधे राजकुमार और पत्रलेखा ने साथ में सिटीलाइट्स और वेब शो बोसः डेड-अलाइव में काम किया है। **(एजेंसी)**

सत्यमेव जयते 2 राजनेता के रूप में नजर आएंगी दिव्या खोसला कुमार

जॉन अब्राहम और दिव्या खोसला कुमार-स्टारर सत्यमेव जयते 2 को रिलीज का इंतजार है। दिव्या अपने सह-कलाकार जॉन के साथ बहुप्रतीक्षित रिलीज के लगातार प्रचार में व्यस्त चल रही हैं। अभिनेत्री फिल्म में एक राजनेता की भूमिका निभा रहीं है, जिसे एक मजबूत और सशक्त महिला के रूप में सबसे अच्छी तरह से परिभाषित किया गया है। अपने किरदार को सार्थक करने के लिए दिव्या ने अभूतपूर्व तैयारी की है।

अपने निर्देशक मिलन मिलाप जावेरी और उनके मार्गदर्शन के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने कहा कि मिलाप ने मुझे बताया था कि मेरा किरदार आज की पीढ़ी की मजबूत और सशक्त महिला को चित्रित करना है जो कार्य-जीवन में संतुलन बनाए रखती है और जो सही है उसके लिए खड़ी होती है। मैंने अपनी क्षमता के अनुसार मेरी भूमिका को कैसे चित्रित किया जाए, यह समझने के लिए आंधी जैसी कई प्रतिष्ठित फिल्मों को देखा है। दिव्या कहती हैं कि मेरे लिए किरदार में ढलना विशेष रूप से कठिन था क्योंकि मुझे अपनी भूमिका के लिए वजन बढ़ाना पड़ा। मैं बहुत खुश हूं कि मुझे अपना एक नया पक्ष दिखाने का मौका मिला है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक सत्यमेव जयते 2 में मेरे काम का आनंद लेंगे। इस फिल्म के साथ दिव्या मैडम चीफ मिनिस्टर में ऋचा चड्ढा, थलाइवी में कंगना रनौत और आंधी में सुचित्रा सेन जैसी बॉलीवुड अभिनेत्रियों की सूची में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने अपनी फिल्मों में राजनेताओं के किरदारों को निभाया है। मिलन मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 25 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। **(एजेंसी)**

वेंकटेश की दृश्यम 2 का ट्रेलर हुआ रिलीज

वेंकटेश दग्गुबाती की आगामी फिल्म दृश्यम 2 दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्राइम वीडियो ने सोमवार को अपनी तेलुगु क्राइम थ्रिलर दृश्यम 2 का थियेट्रिकल ट्रेलर लॉन्च किया। दृश्यम 2 का प्रीमियर 25 नवंबर को प्राइम वीडियो पर भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में होगा। इसी के साथ, निमार्ताओं ने भी अपना प्रचार शुरू कर दिया है। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च कर दिया गया है, जो फिल्म को एक बेहतरीन पारिवारिक थ्रिलर के रूप में पेश करता है। ट्रेलर में आप देख सकते है कि रामबाबू (वेंकटेश) अपने परिवार की रक्षा करने की कोशिश कर रहा है, जो अपनी यात्रा के साथ एक गहन और मनोरंजक कहानी सामने लेकर आता है।

छह साल पहले की उस एक भयानक रात की घटनाओं के बाद परिवार के सदस्यों के जीवन में अपरिवर्तनीय रूप से बदलाव कैसे आया, यह बात कहानी का निर्माण करती है। वेंकटेश ने पारिवारिक व्यक्ति की भूमिका निभाई है, जो एक रहस्य को कवर करता है और अपने परिवार की रक्षा करने में कोई कसर नहीं छोड़ता है।

जीतू जोसेफ के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मीना, कृतिका, एस्तेर अनिल, संपत राज और पूर्णा सहित कलाकारों की एक मजबूत टुकड़ी है। डी. सुरेश बाबू, एंटनी पेरुम्बवूर, और सुरेश प्रोडक्शंस के राजकुमार सेतुपति, मैक्स मूवीज और राजकुमार थिएटर द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, यह एक अमेजॅन ओरिजनल फिल्म है। **(एजेंसी)**

कुसु कुसु के सेट पर अब तक के सबसे खराब अनुभव से गुजरी नोरा फतेही

अभिनेत्री नोरा फतेही ने बताया की आने वाली फिल्म सत्यमेव जयते 2 के गाने कुसु कुसु के पर वह अब तक के सबसे खराब अनुभव से गुजरी है। सेट पर उनकी ड्रेस के कारण नोरा का दम घुट रहा था। उन्होंने कहा कि यह उनका सबसे खराब अनुभव रहा है। गाने में नोरा के बॉडीसूट से जुड़ा दुपट्टा उसके हार से बंधा हुआ था।

भारी घूंघट के वजन के कारण, हार नोरा के गले में फंस गया था, जिससे उनका दमघुटने लगा था, साथ ही उनके गले में कई चोट के निशान भी है। अनुभव के बारे में बात करते हुए, नोरा ने कहा कि सेट पर अक्सर हमारे पास घुटनों के खुरचने, पैरों के खून में लगना जैसी छोटी-छोटी घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से सेट पर मेरा सबसे खरोब अनुभव रहा है। मेरे गले में हार बहुत फंसा हुआ था, क्योंकि दुपट्टे का वजन का बहुत था। नोरा ने आगे कहा कि ऐसा लगा जैसे किसी ने मेरी गर्दन को एक रस्सी से बांध दिया हो, और मुझे फर्श पर खींच रहा हो, लेकिन हमारे पास शूटिंग के लिए सीमित समय था, इसलिए मैंने गाने को फिल्माना जारी रखा और टेक पूरा करने के बाद ही ब्रेक लिया। मिलन मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित सत्यमेव जयते 2 2018 की सतर्क एक्शन फिल्म सत्यमेव जयते का सीक्वल है। यह फिल्म 25 नवंबर को रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। **(एजेंसी)**

मोनोकिनी पहन पूल में उतरीं अनुष्का शर्मा, एक्ट्रेस का बोल्ड अंदाज हुआ सोशल मीडिया पर वायरल

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा अनुष्का शर्मा फिलहाल बड़े पर्दे से दूर चल रही हैं। बावजूद इसके वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। सोशल मीडिया पर अनुष्का शर्मा की फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा है। अभिनेत्री अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए खास तस्वीरें और वीडियो भी शेयर करती रहती हैं। एक बार फिर से अनुष्का शर्मा अपनी सोशल मीडिया पर पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल अनुष्का शर्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेहद खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में उनका बोल्ड और ग्लमैरस अंदाज देखने को मिल रहा है। अनुष्का शर्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह नियॉन ग्रीन कलर की मोनोकिनी में नजर आ रही हैं। तस्वीर में अनुष्का शर्मा पूल के अंदर दिखाई दे रही हैं। अपनी पहली तस्वीर में अनुष्का शर्मा हंसती हुई नजर आ रही हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वह मुस्कुरा रही हैं। सोशल मीडिया पर अनुष्का शर्मा की यह दोनों तस्वीरें जमकर वायरल हो रही हैं। दिग्गज अभिनेत्री के फैंस और तमाम सोशल मीडिया यूजर्स उनकी तस्वीरों को खूब

पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इससे पहले अनुष्का शर्मा पति विराट कोहली का 33वां जन्मदिन मनाने की वजह से चर्चा में थीं। अनुष्का शर्मा के पति और इंडियन क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहला का 5 नवंबर को जन्मदिन होता है। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए पति विराट कोहली को बर्थडे विश किया था। अनुष्का शर्मा ने विराट के साथ एक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा को गले लगाए हुए खड़े दिखे। दोनों इस दौरान बेहद प्यारे लग रहे थे। इस तस्वीर को शेयर करते हुए अनुष्का ने कैप्शन में लिखा, इस फोटो के लिए और जिस तरह से तुम अपना जीवन जीते हो उसके लिए किसी फिल्टर की जरूरत नहीं है। तुम ईमानदारी और बहादुरी से बने हो। बहादुरी जो चिंता को भुला देती है। मैं तुम्हारे अलावा किसी ऐसे को नहीं जानती जो एक बुरे वक्त से खुद को उबार सकता है। तुम बेहतर तरीके से बढ़ रहे हो क्योंकि तुम खुद में कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रखते और निडर हो। मुझे पता है हम सोशल मीडिया पर ऐसे बात करने वाले लोगों में से नहीं हैं। लेकिन कभी-कभी मैं चिल्लाकर दुनिया को बताना चाहती हूं कि तुम कितने कमाल के इंसान हो। **(एजेंसी)**

आदिल खान: के के मेनन के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा है

अभिनेता के के मेनन के साथ नवीनतम वेब श्रृंखला स्पेशल ऑप्स 1.5: द हिम्मत स्टोरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अभिनेता आदिल खान का कहना है कि मेनन जैसे दिग्गज अभिनेता के साथ उनकी दूसरी परियोजना में काम करना मेरे लिए खुशनसीबी है। नया सीजन मुख्य जासूसी थ्रिलर का प्रीक्वल है जो पिछले साल रिलीज हुई थी। यह शो नीरज पांडे द्वारा

बनाया गया है। इसमें विनय पाठक और आफताब शिवदासानी भी हैं। शो की कहानी इस सीजन में फ्लैशबैक में जाती है कि कैसे हिम्मत सिंह वह अधिकारी बनता है। कहानी से पता चलता है कि कैसे रॉ के अधिकारियों के हनीट्रैप होने के बाद हिम्मत और राजेंद्र के बीच कुछ शीर्ष-गुप्त राष्ट्रीय डेटा को पुनर्प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। आदिल ने बताया कि मैं अपने चरित्र मनिंदर सिंह के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं करना चाहता क्योंकि यह एक स्पॉइलर होगा लेकिन निश्चित रूप से मनिंदर हिम्मत के जीवन को बदल देता है। यह बहुत दिलचस्प भूमिका थी। एक रेडियो जॉकी के रूप में अपनी यात्रा शुरू करते हुए, आदिल ने विधु नोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म शिकारा से अपनी शुरूआत की थी, जिसमें उन्होंने एक कश्मीरी पंडित की भूमिका निभाई थी। शो स्पेशल ऑप्स 1.5: द हिम्मत स्टोरी में गौतमी कपूर, परमीत सेठी, काली प्रसाद मुखर्जी, विजय विक्रम सिंह भी हैं। **(एजेंसी)**